twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 09 अगस्त, 2025 | वर्षः 12, अंकः 264, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

बिहार में स्पष्ट बहुमत से एनडीए की सरकार बन रही: शाह

बिहार के पुनौराधाम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने माँ सीता के भव्य मंदिर की रखी आधारशिला

पटना/सीतामढ़ी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम स्थित माँ सीता के भव्य मंदिर की आधारशिला रखी। शिलान्यास से पहले पुनौराधाम के महंत कौशल किशोर दास जी की अगुवाई में भूमि पूजन हुआ। वैदिक मंत्रोंचार के साथ संपूर्ण विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न हुई। भूमि पूजन के लिए 21 तीर्थ क्षेत्रों की मिट्टी और कई नदियों का जल मंगाया गया था। इसके अलावा राजस्थान के जयपुर से चांदी के कलश, दिल्ली में चांदी से बनी विशेष पूजन सामग्री और आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तिरुपति बालाजी से विशेष लड्डू भी सीतामढ़ी लाए गए। माँ जानकी के भव्य मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष दिलीप जयसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संशाधन मंत्री विजय चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री अशोक चौधरी, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा समेत देशभर से पधारे साधु-संत शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि पुनौराधाम में करीब 67 एकड़ भूमि पर भव्य मंदिर, यज्ञ मंडप, म्यूजियम, ऑडिटोरियम, कैफेटेरिया, खेल मैदान, धर्मशाला, सीता वाटिका, भजन संध्या स्थल समेत अन्य पर्यटकीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके लिए बिहार सरकार ने 883 करोड़ का बजट जारी किया है। 3 साल में मंदिर निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

गृहमंत्री अमित शाह ने रखी मंदिर की पहली ईंट

मूसलाधार बारिश के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने मंदिर की पहली ईंट रखी। मंदिर को नेपाल के फूलों से सजाया गया है। भूमिपूजन के लिए 21 तीर्थों की मिट्टी, 11 नदियों का जल मंगवाया गया था। अयोध्या के हनुमान गढ़ी से ईंट भी पहुंची थी। 50 एकड़ में 882 करोड़ की लागत से मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा। पूरे मंदिर का निर्माण खास किस्म के सैंड स्टोन (बलुआ पत्थर) से होगा। ये पत्थर राजस्थान से मंगवाए जा रहे हैं। मंदिर की ऊंचाई 156 फीट होगी, जो अयोध्या के राम मंदिर से 5 फीट कम है। अमित शाह ने समस्तीपुर से दिल्ली के लिए अमृत भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में पीएम मोदी की अयोध्या में पूजा की तस्वीरें दिखाई गईं।

मिथिलांचल की संस्कृति पूरे भारत की अनन्य संस्कृति है: शाह

शाह ने कहा कि यह भक्त जनों के लिए आनंद की बात है। उन्होंने कहा कि यहां एक बात बताना चाहता हूं। मिथिलांचल की संस्कृति पूरे भारत की अनन्य संस्कृति है। आज का दिन शुभंकर दिन है। रामायण काल में अकाल के परमार्जन के लिए राजा जनक ने भूमि में सोने का हल चलाया था तो माता सीता प्रकट हुई थी और बारिश हुई थी और अकाल से मुक्ति मिली थी। आज भी वही संयोग है कि माता जानकी के मंदिर के लिए शिलान्यास के मौके पर जोरदार बारिश हुई है, यह माता का आशीर्वाद है। यह न केवल मिथिलांचल, बिहार बल्कि पूरे भारत के लिए शुभ है। माता जानकी मंदिर सिर्फ भव्य मंदिर ही नहीं बनेगा यह मिथिलांचल और बिहार के भाग्योदय की शुरूआत है। आज न केवल सीतामढ़ी, मिथिलांचल बल्कि भारत और पूरे विश्व के लिए गौरव की बात है कि मंदिर व विकास कार्य का शिलान्यास किया गया।

पहली बार नहीं हो रहा गहन मतदाता पुनरीक्षण

अमित शाह ने कहा कि घुसपैठिए को मतदाता सूची से निकालना चाहिए या नहीं निकालना चाहिए। चुनाव आयोग को एसआईआर करना चाहिए या नहीं करना चाहिए। लालू यादव किसको बचाना चाहते हैं। पहली ड्राफ्ट वोटर सूची के बाद आरजेडी और कांग्रेस ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई। क्या इन लोगों को घुसपैठियों के वोट चाहिए। वे घुसपैठियों-बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं।

देश से खिलवाड़ करने का किसी को अधिकार नहीं : शाह

गृहमंत्री अमित शाह और नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने पुरानी सरकार को घेरा। अमित शाह ने रक्फ़ से लेकर ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी बात रखी। उन्होंने ये भी बताया कि मोदी जी बिहार का दौरा कर रहे हैं। मैं संगठन की मीटिंग कर रहा हूं। बिहार में स्पष्ट बहुमत से एनडीए की सरकार बन रही है।' अमित शाह ने एसआईआर पर लालू-राहुल को घेरते हुए कहा कि जो भारत में जन्मा नहीं उसे वोट देने का अधिकार नहीं। घुसपैठिए इन लोगों के वोट बैंक हैं। इसलिए इनको (महागठबंधन) परेशानी है।

एसआईआर पर लालू-कांग्रेस को घेरा

बिहार में चुनाव होने वाला है। मेरे आने से पहले पूरे अखबार भरे पढ़े हैं कि रक्फ़ होना चाहिए या नहीं। जनता बताए कि घुसपैठिए को वोटर लिस्ट से निकालना चाहिए या नहीं। लालू बताएं कि किसको बचाना चाहते हो। बांग्लादेश से आकर बिहार के युवाओं की नौकरी खा जाते हैं लालू- कांग्रेस उनको बचाना चाहती है। जो भारत में जन्मा नहीं है उसे वोट देने का अधिकार भी नहीं है।

लालू-तेजस्वी को चुनौती

तेजस्वी यादव मुझसे पूछते हैं कि एनडीए सरकार ने मिथिलांचल के लिए क्या किया। मैं बनिया का बेटा हूं आने-पाई का हिसाब रखता हूं। तेजस्वी बताएं उनके माता-पिता के राज में गुंडई और अपहरण के अलावा क्या हुआ। मैं लालू को चैलेंज देता हूं। आएं और पुनौराधाम में ही मिथिलांचल के लिए किए कामों को गिना दें।

हमने पाकिस्तान में घुसकर मारा

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए शाह ने कहा- कांग्रेस की सरकार में आतंकी फेंककर भाग जाते थे। कोई पूछने वाला नहीं था। हमने पहलगाम हमले का बदला लिया। पाकिस्तान को घर में घुसकर मारा। ये लालू एंड पार्टी इस पर सवाल उठाती है।'

'लालू एंड कंपनी को मालूम नहीं है ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, ये एनडीए की सरकार है। देश से खिलवाड़ करने का किसी को अधिकार नहीं है।'

बिहार में एनडीए की सरकार बनने जा रही है- मोदी जी बिहार का दौरा कर रहे हैं। मैं संगठन की मीटिंग कर रहा हूं। बिहार में स्पष्ट बहुमत से एनडीए की सरकार बन रही है।

'लोकतंत्र की साख बचाना जरूरी'

नई दिल्ली

राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाने के बाद देशभर में बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच राहुल के आरोपों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने शुक्रवार को राहुल गांधी द्वारा चुनावों में धांधली के लगाए गए आरोपों को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि इन सवालों पर सभी दलों और मतदाताओं के हित में गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है। थरूर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारा लोकतंत्र बहुत कीमती है, इसे लापरवाही, अयोग्यता या जानबूझकर की गई छेड़छाड़ से कमजोर नहीं होने देना चाहिए। चुनाव आयोग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और देश को जानकारी देते रहना चाहिए। बता दें कि थरूर ने कांग्रेस द्वारा साझा किए गए राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस के वीडियो को टैग करते हुए यह टिप्पणी की। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनावों में बड़ी आपराधिक साजिश का आरोप लगाया था और दावा किया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से यह हुआ है। अपने बयान में राहुल गांधी ने कहा था कि कर्नाटक की एक सीट पर किए गए विश्लेषण से यह बात सामने आई है और यह संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने कहा कि इस तरह का वोट चोरी मॉडल देश के कई हिस्सों में इस्तेमाल किया गया और अब न्यायपालिका को भी इसमें दखल देना चाहिए, क्योंकि जिस लोकतंत्र से हम प्यार करते हैं, वह अब अस्तित्व में नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास जो सबूत हैं, वो आपराधिक प्रमाण हैं, और चुनाव आयोग देशभर में ऐसे सबूत नष्ट करने में लगा है।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर लगाया देशद्रोह करने का आरोप

राहुल ने चुनाव आयोग को खुली चेतावनी देते हुए कहा मैं चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों से साफ कहता हूं जो आप कर रहे हैं वो देशद्रोह है। वक्त आएगा, हम आपको पकड़ेंगे और छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिर्फ वोटर जोड़ने वाले मामलों की जांच की है, जबकि वोटर हटाने के मामले इससे भी ज्यादा हो सकते हैं। चुनावों के नतीजे जनता के मूड से उलट क्यों आते हैं?

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वच्छता ग्राहियों को बांधी राखी, 'स्वच्छ दिल्ली' के संकल्प को दोहराया।

संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज बाधित रहा

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में शुक्रवार को विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज बाधित रहा। आज दोनों सदनों में भारत छोड़ो आंदोलन की जयंती पर स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया। लोकसभा में सदन के पूर्व सदस्य सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। लोकसभा में कार्यवाही पहले सुबह 12 बजे और बाद में 3 बजे तक के लिए स्थगित की गई। 3 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विधेयक 2025 को सदन की अनुमति से वापस ले लिया। इस दौरान एक बार फिर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से कामकाज को सुचारू रूप से चलने देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि शुक्रवार का दिन प्राइवेट मेंबर का होता है और विपक्ष उन्हें भी समय नहीं देना चाहता। इसके बाद कृष्णा प्रसाद तिन्नटी ने कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कांग्रेस के वोट चोरी आरोपों सहित विभिन्न मुद्दों पर शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। इसके चलते एक बार स्थगन के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

'ओबीसी के लिए क्रीमी लेयर आय सीमा में बदलाव समय की जरूरत'

नई दिल्ली। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कल्याण पर नजर रखने वाली एक संसदीय समिति ने कहा कि क्रीमी लेयर की आय सीमा में बदलाव समय की जरूरत है, क्योंकि मौजूदा सीमा के कारण बड़ी संख्या में पात्र ओबीसी परिवार आरक्षण और सरकारी कल्याण योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। शुक्रवार को संसद में पेश की गई अपनी आठवीं रिपोर्ट में समिति ने बताया कि आखिरी बार यह सीमा वर्ष 2017 में सालाना 6.5 लाख रुपये से बढ़ाकर आठ लाख रुपये की गई थी। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के नियमों के मुताबिक इस सीमा की समीक्षा हर तीन साल में या जरूरत पड़ने पर उससे पहले की जानी चाहिए।

समिति के अध्यक्ष बीजेपी सांसद गणेश सिंह ने कहा, मौजूदा सीमा बहुत कम है, जिससे केवल ओबीसी का एक छोटा वर्ग ही कवर हो रहा है। समिति ने आगे कहा कि महंगाई और निचले आय वर्गों की बढ़ती आमदनी को देखते हुए सीमा बढ़ाना अब समय की मांग बन चुका है। रिपोर्ट में कहा गया, समिति जानती है कि ओबीसी के लिए क्रीमी लेयर की आय सीमा हर तीन साल में या उससे पहले भी बदली जानी चाहिए। लेकिन 2017 के बाद से इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। समिति ने स्पष्ट शब्दों में दोहराया कि मौजूदा सीमा की समीक्षा कर उसे बढ़ाया जाए, ताकि ओबीसी समुदाय के ज्यादा से ज्यादा लोग इसके दायरे में आ सकें और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति बेहतर हो सके। हालांकि, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने समिति को बताया कि इस सीमा को संशोधित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

'शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर देश से माफी मांगें'

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पलटवार किया है। राहुल ने बीते दिन चुनाव आयोग पर वोट चोरी और भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाया था। इस पर चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा कि अगर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता अपने विश्लेषण पर विश्वास करते हैं और मानते हैं कि चुनाव आयोग पर उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर राहुल ऐसा नहीं करते हैं, तो इसका मतलब होगा कि उन्हें अपने विश्लेषण, निष्कर्षों और बेतुके आरोपों पर विश्वास नहीं है। ऐसी स्थिति में उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। इसलिए उनके पास दो विकल्प हैं- या तो घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करें या चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें।

शपथ-पत्र देकर सबूत पेश करने को कहा था

इससे पहले कर्नाटक विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में हेराफेरी के राहुल के आरोपों का संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें शपथ-पत्र देकर सबूत पेश करने को कहा था।

राहुल के आरोपों के संबंध में वहां के राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विपक्ष के नेता से एक शपथ पत्र प्रस्तुत करने और मतदाता सूची में कथित रूप से मतदाताओं के नाम शामिल करने या हटाने के प्रमाण प्रदान करने को भी कहा था।

केंद्र सरकार ने लोकसभा से वापस लिया आयकर विधेयक

प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद फैसला

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने आयकर विधेयक 2025 को 13 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया था। विधेयक की जांच के लिए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में 31 सदस्यीय प्रवर समिति बनाई गई थी। समिति ने विधेयक की जांच की और 285 सुझाव दिए थे। समिति ने 21 जुलाई 2025 को अपनी रिपोर्ट लोकसभा में प्रस्तुत कर दी। केंद्र सरकार ने प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशें सरकार द्वारा स्वीकार कर ली हैं।

कुछ सुझाव भी प्राप्त हुए हैं जिन्हें सही विधायी अर्थ प्रदान करने के लिए शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रवर समिति की ओर से सुझाए गए बदलावों को शामिल करने के बाद विधेयक को नए रूप में लेकर आएगी।

हम जीयेंगे स्वदेशी के लिए और मरेंगे देश के लिए: सीएम योगी

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया राष्ट्रभक्ति का आह्वान

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वर्तमान पीढ़ी से राष्ट्रभक्ति और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बने, हम जियेंगे स्वदेशी के लिए, हम मरेंगे अपने देश के लिए। अपनी राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ जब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि आजादी का यह संदेश हम सबको इस उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीद हुए देश के सपूतों को नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। छोटी बालिकाओं के हाथों राखी भी बंधवाई और बेटियों को मिठाई और चॉकलेट भी उपहार में दी। इसके बाद उन्होंने म्यूजियम में सेल्फी और फोटोशूट भी कराया। मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के परिजनों को भी मंच पर सम्मानित किया, जबकि काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ, जिसमें काकोरी ट्रेन एक्शन की उस घटना को प्रस्तुत किया गया।

काकोरी के क्रांतिकारियों ने जगाई राष्ट्रभक्ति की ज्वाला

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी में जिन महान क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खजाने पर कब्जा कर उस धन को आजादी की लड़ाई में लगाया था, उन्होंने राष्ट्रभक्ति की जो ज्वाला जलाई, उसका ही परिणाम है कि 1947 में देश आजाद हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि उस ट्रेन एक्शन में सिर्फ ?4600 लूटे गए थे, लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें पकड़ने में ?10 लाख से ज्यादा खर्च किए। उन क्रांतिकारियों (पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी और अन्य को बिना सुनवाई के फांसी दी गई। चंद्रशेखर आजाद ब्रिटिश हुकूमत के हाथ नहीं लगे, बल्कि वो स्वयं मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। आज यह शताब्दी महोत्सव उन महान क्रांतिकारियों के स्मरण का महान दिवस है। हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए नई प्रेरणा है।

शोर शराबे के बीच समुद्री माल परिवहन विधेयक राज्यसभा से पारित, कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में समुद्री मार्ग से माल ढुलाई के नियमों को आधुनिक और सरल बनाने से जुड़े विधेयक- समुद्री माल परिवहन विधेयक, 2025 को शोर शराबे के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। इसके साथ ही विधेयक को संसद की मंजूरी मिल गई। लोकसभा पहले ही इस विधेयक को पारित कर चुकी है। यह विधेयक 1925 के अधिनियम का स्थान लेगा। पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने इस विधेयक पर जवाब देते हुए कहा कि देश में 1500 बंदरगाह हैं। यह विधेयक भारत के एक बंदरगाह से दूसरे या दुनिया के किसी बंदरगाह में माल ढुलाई से जुड़ी जिम्मेदारियों, अधिकारों, सुरक्षा और देनदारियों को तय करता है। इससे नियम सरल होंगे और व्यापार तेज होगा। राज्यसभा की कार्रवाई एक बार स्थगित होने के बाद जैसे ही फिर 02 बजे शुरू हुई, सदन में विपक्ष के तमाम सदस्यों ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) पर चर्चा करने की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच समुद्री मार्ग से माल परिवहन विधेयक, 2025 को पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने सदन में पेश किया। भाजपा सदस्य संजय सेठ ने इस विधेयक के पक्ष में अपनी बात रखी। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस के सदस्य वेल में पहुंचे और

एसआईआर को लेकर नारेबाजी करने लगे। इसी दौरान तृणमूल सदस्य ममता बाला ठाकुर सभापति की तरफ जाने वाली सीढ़ियों पर जाकर खड़ी हो गई। इस पर मार्शल ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद सदन में और महिला मार्शलों को बुलाया गया। शोर शराबे के बीच पीठासीन अधिकारी भुवनेश्वर कलिता ने नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने का मौका दिया। खरगे ने कहा 'नियम एक होना चाहिए, सदस्य चाहे इधर के हों या उधर के, सदस्य जब बात करते हैं सदन में व्यवधान होता है। प्वाइंट आफ ऑर्डर उठाए जाने के लिए एक पक्ष को अनुमति न देना और दूसरे पक्ष को इस समय अपने भाषण करने की अनुमति देना पूरी तरह से अव्यवहारिक है। इस पर नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि %जो सदन में व्यवधान कर रहे हैं उन्हें प्वाइंट आफ ऑर्डर की तो बात ही नहीं करनी चाहिए। नड्डा ने कहा कि सदन को ऑर्डर में रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का ही काम है लेकिन जिस तरह से हंगामा हो रहा है उसे देखकर यही कह सकते हैं कि प्वाइंट आफ ऑर्डर उठाने का अधिकार उनको नहीं है जो व्यवधान में शामिल हैं। विपक्ष के जिन सदस्यों को समुद्री मार्ग से माल परिवहन विधेयक 2025 विधेयक पर बोलना था वो अपनी सीट पर जाकर एसआईआर पर चर्चा हो यही बात माइक में बोलें। इसके बाद विधेयक को पारित कर सभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गयी। समुद्री मार्ग से माल परिवहन विधेयक 2025 भारतीय समुद्र द्वारा माल वहन अधिनियम, 1925 का स्थान लेगा। यह अधिनियम भारत के एक बंदरगाह से भारत के किसी अन्य बंदरगाह या दुनिया के किसी अन्य बंदरगाह तक माल ले जाए जाने के मामले में ज़िम्मेदारियों, देनदारियों, अधिकारों और उन्मुक्तियों को स्थापित करता है।

प्रधानमंत्री मोदी 22 अगस्त को आएंगे बिहार

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने बिहार आ रहे हैं। वे 22 अगस्त को गयाजी में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे बिहार को कई सौगात देंगे। गयाजी में होने वाले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित गया दौरे को लेकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक उच्चस्तरीय बैठक की गई। उन्होंने बताया कि बैठक में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, बिहार के मुख्य सचिव समेत वरीय

पुलिस अधिकारी शामिल हुए । बैठक में प्रधानमंत्री के आगमन से जुड़े सभी बिंदुओं पर करीब आधे घंटे तक समीक्षा की गई। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि 22 अगस्त को गया में प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम तय किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की गयाजी जिले में बेलागंज विधानसभा क्षेत्र के पाली गांव में जनसभा हो सकती है। सरकार के मंत्री और प्रशासनिक पदाधिकारी इसकी तैयारियों में जुटे हैं। जल्द ही आधिकारिक रूप से सभा स्थल की घोषणा की जाएगी। प्रधानमंत्री का यह दौरा विकास परियोजनाओं पर केंद्रित होगा लेकिन इसे आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले महीने ही मोतिहारी आए थे। उन्होंने शहर के गांधी मैदान से लगभग 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया था। इसके अलावा उन्होंने पटना और मोतिहारी से नई दिल्ली समेत कुल 4 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

भाजपा जल्द शुरू करेगी पंजाब में किसान सुरक्षा आंदोलन : तरुण चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने हाल ही में शुरू की गई लैंड पूलिंग योजना के माध्यम से दिल्ली के रियल एस्टेट कारोबारियों से 30,000 करोड़ रुपये का गुप्त सौदा किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से इस कथित सौदे पर स्पष्टीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में किसान सुरक्षा आंदोलन चलाएगी। एक विज्ञप्ति जारी कर तरुण चुग ने लैंड पूलिंग योजना को पंजाब की जमीन की लूट करार दिया और कहा कि यह एक पोंजी स्कीम है, जिसका उद्देश्य 75,000 एकड़ जमीन, जिसमें 40,000 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि शामिल है, को अपने करीबी

रियलटर्स को सौंपना है। उन्होंने घोषणा की कि पार्टी, पंजाब के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी शर्मा के नेतृत्व में किसानों के हितों की रक्षा के लिए राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। यदि सरकार यह नीति वापस नहीं लेती, तो पार्टी गांव-गांव जाकर इसका विरोध करेगी और आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाएगी। चुग ने पार्टी के नए जिला अध्यक्षों से आह्वान किया कि वे जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करें और कार्यकर्ताओं से सीधे जुड़ें। इसके साथ ही चुग ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, वह अब विदेशी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। सेना पर सवाल उठाना और देश को बदनाम करना कांग्रेस की आदत बन गई है लेकिन देशवासी अब ऐसे नाटकों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

झारखंड में माओवादियों की बड़ी साजिश नाकाम, सुरक्षाबलों ने 44.5 किलो आईईडी बरामद की

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला-खरसावां और चाईबासा जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन की एक बड़ी साजिश को विफल कर दिया है। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक के अनुसार सूचना मिली थी कि कुचाई थाना क्षेत्र के दलभंगा ओपी अंतर्गत पहाड़ी इलाकों में माओवादियों ने भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री छिपा रखी है, जिसका इस्तेमाल सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से किया जाना था। इस सूचना पर सरायकेला-खरसावां पुलिस के नेतृत्व में एक संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें चाईबासा पुलिस, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और एसएसबी के जवानों ने हिस्सा लिया।

किसानों का हित भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि किसानों, मछुआरों और पशुपालकों का हित भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इन वर्गों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए वे व्यक्तिगत रूप से कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत अपने अन्नदाताओं के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी आज नई दिल्ली स्थित आईसीएआर पूसा में आयोजित एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत में कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने की दिशा में प्रोफेसर स्वामीनाथन के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन ने यह दिखाया कि विज्ञान केवल खोज नहीं बल्कि वितरण का भी माध्यम होना चाहिए।

उन्होंने अपने शोध के माध्यम से किसानों को खेती के आधुनिक तरीकों के लिए प्रेरित किया। उनके विचार आज भी हमारी नीतियों और कृषि विज्ञान में परिलक्षित होते हैं।

मोदी ने कहा कि हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले डॉ. स्वामीनाथन का योगदान केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने बायोडायवर्सिटी और बायो-हैप्पीनेस जैसे विचारों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को भी सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन मानते थे कि बायोडायवर्सिटी के जरिए स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि डॉ. स्वामीनाथन की स्मृति में 'एमएस स्वामीनाथन अवॉर्ड फॉर फूड एंड पीस' की शुरुआत की गई है, जो विकासशील देशों के उन वैज्ञानिकों को दिया जाएगा जिन्होंने खाद्य सुरक्षा की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस पुरस्कार के पहले विजेता नाइजीरिया के प्रोफेसर बने हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज चावल, गेहूं, कपास, सब्जियां और मछली उत्पादन में दुनिया में शीर्ष स्थानों पर है। उन्होंने कहा, 'सोयाबीन, मूंगफली और सरसों जैसी फसलों का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। यह हमारे किसानों की मेहनत और सरकार की किसान-केंद्रित नीतियों का परिणाम है।'

शोर शराबे के बीच समुद्री माल परिवहन विधेयक राज्यसभा से पारित, कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में समुद्री मार्ग से माल ढुलाई के नियमों को आधुनिक और सरल बनाने से जुड़े विधेयक- समुद्री माल परिवहन विधेयक, 2025 को शोर शराबे के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। इसके साथ ही विधेयक को संसद की मंजूरी मिल गई। लोकसभा पहले ही इस विधेयक को पारित कर चुकी है। यह विधेयक

1925 के अधिनियम का स्थान लेगा। पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने इस विधेयक पर जवाब देते हुए कहा कि देश में 1500 बंदरगाह हैं। यह विधेयक भारत के एक बंदरगाह से दूसरे या दुनिया के किसी बंदरगाह में माल ढुलाई से जुड़ी जिम्मेदारियों, अधिकारों, सुरक्षा और देनदारियों को तय करता है। इससे नियम सरल होंगे और व्यापार तेज होगा। राज्यसभा की कार्रवाई एक बार स्थगित होने के बाद जैसे ही फिर 02 बजे शुरू हुई, सदन में विपक्ष के तमाम सदस्यों ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) पर चर्चा करने की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच समुद्री मार्ग से माल परिवहन विधेयक, 2025 को पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने सदन में पेश किया। भाजपा सदस्य संजय सेठ ने इस विधेयक के पक्ष में अपनी बात रखी। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस के सदस्य वेल में पहुंचे और एसआईआर को लेकर नारेबाजी करने लगे। इसी दौरान तृणमूल सदस्य ममता बाला ठाकुर सभापति की तरफ जाने वाली सीढ़ियों पर जाकर खड़ी हो गई।

हिमाचल में मॉनसून का रौद्र रूप, जनजीवन अस्त-व्यस्त, 533 सड़कें ठप

12 अगस्त तक येलो अलर्ट

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून एक बार फिर कहर बरपाने लगा है। मंगलवार रात से बुधवार तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। शिमला, सोलन, मंडी, चंबा, कांगड़ा और बिलासपुर जिलों में जोरदार बारिश हुई। बारिश के कारण सोलन और सिरमौर जिलों में सभी शिक्षण संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहे, जबकि शिमला, मंडी और कुल्लू के कुछ उपमंडलों में भी स्कूलों में छुट्टी रही। बीते 24 घंटों में सोलन के कसौली में सर्वाधिक 150 मिमी बारिश दर्ज की गई, धर्मपुर और मंडी के गोहर में 120 मिमी, चंबा के चुआड़ी में 100 मिमी, नगरोटा सूरियां और नैना देवी में 90 मिमी, सुंदरनगर में 80 मिमी, गग्गल एयरपोर्ट समेत कई जगहों पर 60 से 70 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। कांगड़ा में पौंग डैम का जलस्तर 1372.03 फीट पहुंच गया, जिससे शाम को 23300 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। मौसम विभाग ने 12 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 7 अगस्त को सोलन और सिरमौर, 8 को कांगड़ा, शिमला,

सोलन और सिरमौर तथा 9 अगस्त को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा और मंडी में भारी बारिश का अलर्ट है।

भूस्खलन से चार नेशनल हाइवे व 533 सड़कें बंद: भारी बारिश से प्रदेश भर में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई हैं जिससे चार नेशनल हाईवे और 533 सड़कें बंद हो गई हैं। साथ ही 635 बिजली ट्रांसफार्मर और 266 पेयजल योजनाएं भी ठप पड़ी हैं। मंडी में एनएच-3 और एनएच-21, कुल्लू में एनएच-305 और किन्नौर में एनएच-5 अवरुद्ध हैं। अकेले मंडी में 314 सड़कें बंद हैं, कुल्लू में 117, शिमला में 26 और कांगड़ा में 23 सड़कें प्रभावित हुई हैं। बिजली और पानी आपूर्ति पर भी असर पड़ा है, सोलन में 304, मंडी में 285 और शिमला में 41 ट्रांसफार्मर बंद हुए हैं, जबकि पेयजल योजनाओं में मंडी की 88, कांगड़ा की 120 और हमीरपुर की 27 योजनाएं प्रभावित हैं। कुल्लू जिले में लगातार बारिश से ग्रामीण इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। जिला के बागीपुल के कुटली गांव में बाढ़ से कई घरों व वाहनों को नुकसान पहुंचा है। निरमंड उपमंडल के मोचका नाला में फ्लैश फ्लड से पुराना पुल ढह गया। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की भूस्खलन निगरानी रिपोर्ट के अनुसार मंडी, कांगड़ा, शिमला और सोलन जिलों की 21 संवेदनशील जगहों पर भूस्खलन की स्थिति पर नजर रखी जा रही है, जहां अधिकतर स्थानों पर मध्यम खतरे का पूर्वानुमान है। मंडी के पराशर, कोटरोपी, संधोल, तत्तापानी और ग्रिफिन पीक समेत 15 जगहों पर निगरानी जारी है।

राजनीतिक दल एसआईआर पर भ्रम न फैलायें, सुधार के लिए दर्ज करायें आपत्तिः चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग लगातार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत राजनीतिक दलों से भ्रम न फैलाने और प्रक्रिया में भागीदारी की अपील कर रहा है। आयोग का कहना है कि नियम के तहत मतदाता सूची को अपडेट किया जा रहा है। हर स्तर पर राजनीतिक दलों से जानकारी साझा की जा रही है। अभी तक दलों की ओर से कोई आपत्ति या दावे नहीं आए हैं। आयोग ने आज एक बयान जारी कर बताया कि जमीनी स्तर पर एसआईआर की प्रक्रिया में राजनीतिक दल भाग ले रहे हैं। एसआईआर प्रक्रिया में जिनके नाम हटाये गए हैं उनकी जानकारी भी राजनीतिक दलों से साझा की गई है। उनसे अपील की गई है कि वे अपनी आपत्तियां और दावे एक माह के भीतर दे सकते हैं। अभी तक किसी राजनीतिक दल ने कोई दावा या आपत्ति नहीं दी है। आयोग के अनुसार चार कारणों से कुछ मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किया गया है। यह चार कारण हैं कि मतदाता की मृत्यु हो गई है। मतदाता स्थानांतरित हो गया है। मतदाता एक से अधिक स्थानों पर

पंजीकृत है। इसके अलावा ऐसे मतदाता जिन्हें कम से कम तीन बार बूथ स्तर के अधिकारी ने संपर्क करने की कोशिश की और संपर्क नहीं हो पाया। इसी क्रम में आज एक भ्रम फैलाने वाला समाचार आया कि बिहार के समस्तीपुर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को निवास प्रमाण पत्र जारी किया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इसे साझा किया और लिखा कि ये इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि बिहार में 'इलेक्टोरल रोल रिवीजन' की पूरी प्रक्रिया धोखाधड़ी है। यह वोट चोरी करने का तरीका है। चुनाव आयोग ने स्पष्टीकरण जारी किया है। स्पष्टीकरण समस्तीपुर के जिला प्रशासन की ओर से आया है। जिला प्रशासन का कहना है कि कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। किसी ने जानबूझकर आवेदन दिया था और जांच के क्रम में यह गलत पाया गया है। इस पर एफआईआर भी कर दिया गया है तथा इस पर कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। ऐसे किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इसी बीच एआईएमआईएम के नेता असदुदीन औवेसी का बयान आया है। उनका कहना है कि बिहार के एसआईआर का नतीजा साफ़ है- 56 लाख लोगों के नाम काट दिए गए हैं। सबसे ज़्यादा नाम उन ज़िलों से कटे हैं जहां मुसलमानों की आबादी ज़्यादा है और जहां के लोग रोज़गार की तलाश में मजबूरी में देश के दूसरे हिस्सों में पलायन करते हैं। इसपर और रणदीप सिंह सूरजेवाला के बयान पर आयोग ने फिर कहा है कि अगर किसी मतदाता का नाम कटा है तो उन्हें दावे और आपत्ति दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें। चुनाव आयोग के प्रवक्ता का कहना है कि चुनाव आयोग बार-बार कह रहा है कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची में कोई भी योग्य मतदाता छूटने ना पाये और कोई भी अयोग्य मतदाता जुड़ने न पाये। इसके लिए 1 अगस्त को जारी की गयी बिहार की प्रारूप मतदाता सूची में कोई भी त्रुटि दूर करने के लिये अपने दावे और आपति दर्ज करें। अफसोस है कि अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने एक भी दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की है।

साहिबगंजः एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या, आरोपित ने थाने में किया सरेंडर

एजेंसी

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिले के तालझारी थाना क्षेत्र के दुधकोल गांव में जमीन विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी गई। हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारा खुद थाना पहुंचा और पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार जमीन को लेकर आपसी विवाद चल रहा था। इसी में रिश्ते में भतीजा बज्जल हेंब्रम ने अपने चाचा-चाची समेत तीन लोगों की लोहे की रॉड से

हमला कर हत्या कर दी। मृतकों के नाम नाथनियाल हांसदा, बडकी मुर्मू, नोहा बेसरा बताया गया है। हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित बज्जल हेंब्रम हत्या में प्रयुक्त किए गए लोहे के रॉड के साथ तालझारी थाना पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि तीन लोगों की हत्या की गई है। मामले से जुड़े आरोपित को गिरफ्तार कर पुलिस आगे कार्रवाई कर रही है।

जिस दिन मैं चाहूंगी, उसी दिन सत्ता से हटाया जा सकेगा : ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झाड़ग्राम में एक रैली से भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उन्हें सत्ता से केवल वही दिन हटाया जा सकता है, जिस दिन वह स्वयं चाहेंगी। भाषा आंदोलन के तहत निकाली गई पदयात्रा के बाद ममता ने आरोप लगाया कि आज बंगला भाषा में बात करने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है और 'बांग्लादेशी' या 'रोहिंग्या' कहा जा रहा है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि किसी का भी फोन आए तो 'जय बंगला' कहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की दबाव और डराने की राजनीति बंगाल

में नहीं चलेगी। उन्होंने चुनौती दी, ताकत के जोर से अगर अत्याचार करेंगे, तो हमारे शरीर के ऊपर से गुजरना होगा। हम पहरेदार की तरह खड़े रहेंगे। एनआरसी को लेकर भी उन्होंने कड़ा रुख दिखाते हुए कहा कि असम की तरह बंगाल में डिटेंशन कैंप बनाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। ममता ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा, ÷नए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया में किसी का नाम न कटे। भाजपा आपकी पहचान तय करने का हक नहीं रखती। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, मैं जिस दिन खुद तय करूंगी, उसी दिन सत्ता से हट पाऊंगी। जिस दिन मैं नहीं चाहूंगी, उस दिन आपके अपने लोग भी मुझे वोट देंगे, क्योंकि उन्हें भी आश्रय और पहचान की जरूरत है। ममता ने असम से बंगाल भेजे जा रहे नोटिसों का जिक्र करते हुए लोगों से सलाह दी कि ऐसे नोटिस मिलने पर अदालत में लड़ाई लड़ी जाएगी और कोई भी खुद जाकर पेश न हो, क्योंकि इससे गिरफ्तारी हो सकती है।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का हुआ अंतिम संस्कार, राजनीतिक हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का अंतिम संस्कार लोधी रोड स्थित दयानंद मुक्ति धाम में किया गया। उनके बेटे कबीर ने अंतिम क्रियाएं संपन्न कीं। इस अवसर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य राजनीतिक दलों तथा किसान संगठनों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल सिंह मलिक के

पार्थिव शरीर को आज सुबह 9 बजे राम मनोहर लोहिया अस्पताल से उनके निवास स्थान आरके पुरम सोम विहार में अंतिम दर्शन के लिए ले जाया गया। सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक यहां पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया। दोपहर बाद अंतिम यात्रा आरंभ हुई और शाम लगभग साढ़े चार बजे विद्युत शवदाह गृह में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई।

बेटी ने पिता के सिर में तवा मारकर की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के रामनगर इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते एक 32 वर्षीय बेटी ने अपने 55 वर्षीय पिता की तवे से हमला कर हत्या कर दी। यह घटना बुधवार दोपहर को सामने आई। मृतक की पहचान टेकचंद गोयल के रूप में हुई है। जबकि आरोपित बेटी अनु को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम के अनुसार 6 अगस्त की दोपहर 3:56 बजे, जीटीबी अस्पताल से मानसरोव पार्क थाना को सूचना मिली कि एक घायल व्यक्ति को अस्पताल लाया गया है। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को मृतक के बेटे शिवम ने बताया कि उनके पिता को घायल अवस्था में उन्होंने ही अस्पताल पहुंचाया था। उस समय घर में उनकी बहन अनु, मां बाला देवी, और पत्नी प्रिया मौजूद थीं। शिवम ने आगे बताया कि उनकी पत्नी प्रीति के अनुसार, पिता पर उनकी बहन अनु ने तवे से हमला किया था, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनु को गिरफ्तार किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस घटना के पीछे की वास्तविक वजहों का पता लगाने में जुटी है।

सुषमा स्वराज की छठी पुण्य तिथि पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के साथ सांसदों, कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की छठी पुण्य तिथि पर पुत्री बांसुरी स्वराज, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ-साथ भाजपा सांसदों, कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजली दी। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने जंगपुरा स्थित सिल्वर ओक पार्क जिसे सुषमा स्वराज की पुत्री सांसद बांसुरी स्वराज द्वारा उनकी स्मृति में विकसित करने के आडोपट किया है में अन्य नेताओं के साथ वृक्षारोपण किया। वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि अपने स्वभाव से, अपनी वाणी से, अपने व्यवहार से और अपने राजनैतिक कौशल का लोहा मनवाने वाली दीदी सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करता हूं। इस कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख थे विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, मध्य प्रदेश के सह प्रभारी एवं विधायक सतीश उपाध्याय, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं आशीष सूद, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, योगेन्द्र चांदोलिया, कमलजीत सहरावत, स्थानीय विधायक नीरज बसोया, विधायक शिखा रॉय एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डूसू चुनावों में विरूपण के प्रति बरती जाएगी जीरो टोलरेंसः चुनाव अधिकारी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डूसू) के मुख्य चुनाव अधिकारी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने मौरिस नगर के थाना प्रभारी के साथ मिलकर डूसू चुनाव 2025-26 के सुचारू संचालन हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर कार्यालय में डूसू पदाधिकारियों और छात्र प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक बुलाई। डूसू चुनाव समिति और प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने छात्र प्रतिनिधियों को आगामी डूसू चुनाव 2025-26 के दौरान चलाए जा रहे विरूपण विरोधी अभियान के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने मुख्य चुनाव अधिकारी के साथ मिलकर डूसू चुनाव 2025-26 के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कॉलेजों के प्राचार्यों, विभागाध्यक्षों, छात्रावासों के प्रोवोस्ट/वार्डन, दिल्ली के डीसीपी/एसीपी/एसएचओ के साथ एक ऑनलाइन बैठक भी की। समिति ने प्रतिनिधियों को यह भी बताया कि वर्तमान डूसू चुनावों के दौरान पोस्टरों द्वारा विरूपण के प्रति जीरो टोलरेंस बरती जाएगी। उम्मीदवारों को निर्धारित व्यय सीमा के भीतर प्रचार के लिए केवल हस्तनिर्मित पोस्टरों का ही उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि काले शीशे वाले या बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की अनुमति नहीं है और उसे तुरंत जब्त कर लिया जाएगा। छात्र प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि डूसू चुनावों में किसी भी प्रकार का विरूपण नहीं होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रत्येक कॉलेज में अलग वॉल ऑफ डेमोक्रेसी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

सांसद से चेन स्नैचिंग का मामला सुलझा, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के वीवीआईपी इलाके चाणक्यपुरी में तमिलनाडु की कांग्रेस सांसद आर. सुधा से हुई झपटमारी की वारदात को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर ज्वाइंट सीपी एसके जैन ने बताया कि आरोपित को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान हरकेश नगर निवासी सोहन रावत (24) के रूप में हुई है। आरोपित के पास से लूटी गई सोने की चेन, वारदात में इस्तेमाल स्कूटी, चार चोरी के मोबाइल और एक बाइक भी बरामद की गई है। ज्वाइंट सीपी के अनुसार चार अगस्त की सुबह आर. सुधा तमिलनाडु भवन के पास मॉर्निंग वॉक कर रही थीं। उसी दौरान स्कूटी सवार बदमाश ने उनके गले से चेन झपट ली और फरार हो गया। छीना-झपटी में उनके कपड़े फट गए और उन्हें हल्की चोटें भी आईं। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर केस दर्ज किया। पुलिस ने इलाके के कई सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आरोपित की पहचान की।

मुख्यमंत्री ने 29वें दिल्ली पुस्तक मेला 2025 का किया उद्घाटन, बोलीं- किताबों से प्रेम ही भारत को विश्वगुरु बनाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत मंडपम प्रगति मैदान के हॉल नंबर 12 और 12ए में '29वें दिल्ली पुस्तक मेला 2025' का उद्घाटन किया। दिल्ली पुस्तक मेला 6 से 10 अगस्त तक चलेगा और इसका आयोजन फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स (एफआईपी) और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) ने किया है। इस मौके पर कला, संस्कृति और भाषा मंत्री कपिल मिश्रा, आईटीपीओ चेयरमैन प्रदीप सिंह खरौला व अन्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने उदघाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग में युवाओं का रुझान किताबों की ओर कम नहीं होना बहुत ही सकारात्मक संकेत है। यह किताबों के प्रति प्रेम और पठन-पाठन की शैली भारत को विश्वगुरु बनाएगा। उन्होंने कहा कि किताबें जीवन की सबसे सच्ची और निःस्वार्थ मित्र हैं, जो न अपेक्षा करती हैं, न शर्त रखती हैं, केवल साथ निभाती हैं। यह मेला उस मित्रता का

उत्सव है। उन्होंने कहा किताबें केवल पन्ने नहीं बल्कि पीढ़ियों को दिशा देने वाले पथप्रदर्शक हैं। उन्होंने दिल्ली पुस्तक मेले को न केवल एक वार्षिक आयोजन, बल्कि पीढ़ियों की स्मृतियों से जुड़ा एक 'सांस्कृतिक संस्कार' बताया। मुख्यमंत्री ने बच्चों, युवाओं और अभिभावकों को पुस्तक संस्कृति से जुड़ने का आमंत्रण दिया और आयोजकों को इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस पुस्तक मेले के साथ 25वां स्टेशनरी फेयर और 9वां ऑफिस ऑटोमेशन एवं कॉर्पोरेट गिफ्ट फेयर भी जोड़ा गया है, जिससे यह मेला न केवल साहित्यिक, बल्कि शैक्षिक, व्यापारिक और रचनात्मक संवाद का भी केंद्र बन गया है। मंत्री कपिल मिश्रा ने पुस्तक मेले को साहित्य, संस्कृति और विचारों का महाकुंभ बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि आज दिल्ली को एक ऐसा नेतृत्व मिला है, जो केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना से भी समृद्ध है। मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'ज्ञान आधारित समाज' के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि किताबें केवल ज्ञान नहीं, बल्कि संस्कार भी देती हैं और दिल्ली सरकार इस विचारधारा को आत्मसात कर चुकी है। उन्होंने सुझाव दिया कि आगामी वर्षों में पुस्तक मेले को एक 'साहित्यिक महोत्सव' का रूप दिया जाए, जिसमें कवियों, लेखकों, विद्यार्थियों और साहित्यप्रेमियों को संवाद और रचनात्मक सहभागिता का मंच मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ने इस वर्ष कला, संस्कृति और भाषा विभाग के लिए ऐतिहासिक बजट स्वीकृत किया है, जिसका प्रभाव दिल्ली के सांस्कृतिक परिदृश्य पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

दिल्ली विधानसभा में 24 और 25 को होगा अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली विधानसभा में 24 व 25 अगस्त को अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में देश भर की विधानसभाओं, विधान परिषदों के करीब 60 अध्यक्ष व उपाध्यक्ष शामिल होंगे। इन सभी आमंत्रित गणमान्यों को 'राज्य अतिथि' घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने विज्ञप्ति जारी करते हुए जानकारी दी कि इन सभी विशेष अतिथियों के सम्मान के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय को इन 'राज्य अतिथियों'के दिल्ली आगमन से लेकर उनके दिल्ली से प्रस्थान तक, उनके मान-सम्मान के अनुरूप सभी प्रोटोकॉल सुविधाएं और शिष्टाचार प्रदान करने की जिम्मेदारी दी गई है। विधानसभा सचिवालय 'राज्य अतिथियों' के स्वागत, आवास, परिवहन आदि के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आने वाले अध्यक्ष/उपाध्यक्ष हमारे विशेष अतिथि हैं, इसलिए दिल्ली की ओर से उन्हें भरपूर सम्मान दिया जाएगा।

नगर निगम की समितियों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर भाजपा प्रत्याशी हुए निर्वाचित

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की विशेष समितियों का चुनाव संपन्न हुआ। कुल बारह विशेष समितियों में से दस समितियों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर भाजपा की विजयी हुई। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, उप महापौर जय भगवान यादव, स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने शुभकामनायें दी और कहा कि विशेष समितियों के गठन के बाद हम सभी मिलकर विकास के नये आयाम हासिल करेंगे। दिल्ली नगर निगम के नेता सदन प्रवेश वाही ने सभी विशेष समितियों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर चयनित सभी निगम पार्षदो को बधाई दी। नेता सदन प्रवेश वाही ने कहा कि पिछले ढ़ाई साल में आम आदमी पार्टी (आआपा) की जिद और एकाधिकार के चलते विशेष समितियों के गठन में देरी हुई है। लेकिन अब विकास की दिशा में सकारात्मक कार्य किये जायेंगे और

इसके लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है। प्रवेश वाही ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों का दिल्ली में नेतृत्व के लिए रेखा गुप्ता और प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के दिशा निर्देश के लिए उनका आभार व्यक्त किया । नेता सदन प्रवेश वाही ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में दिल्ली नगर निगम जनता को अधिक से अधिक नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होने सभी नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नियमित जन समस्याओं की सुनवाई करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने हस्तनिर्मित राखी गिफ्ट पैक का किया लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा में शाहदरा जिले की महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप की तैयार विशेष हस्तनिर्मित राखी गिफ्ट पैक का लोकार्पण किया। उन्होंने बताया यह पहल सेल्फ हेल्प ग्रुप के 'लखपति दीदी' मिशन के तहत की गई है।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि ये गिफ्ट पैक- जिनमें राखी, रोली, चावल, मिठाई, सत्तू, अगरबत्ती आदि पारंपरिक उत्पाद शामिल हैं पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से भेंट किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन उपहारों में बहनों का हुनर, परिश्रम और आत्मनिर्भरता की भावना समाहित है। मुख्यमंत्री ने कहा यह सिर्फ एक गिफ्ट पैक नहीं, 'लखपति दीदी' अभियान के तहत महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रतीकात्मक पहल है। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली की हर बहन आत्मनिर्भर बने और उसके उत्पाद समाज में सम्मान के साथ पहुंचे। उन्होंने यह भी

आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार इन उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में मदद करेगी ताकि आय का सीधा लाभ इन महिलाओं को मिले। इससे इन बहनों के आत्मनिर्भरता के स्वप्न को नया पंख मिला। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा यह अभियान आत्मनिर्भर भारत की भावना का जीवंत उदाहरण है। हम हर बहन को सशक्त और समृद्ध देखना चाहते हैं।

अगस्त क्रांति दिवस पर इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में वाक्य प्रतियोगिता नाम की विचारोत्तेजक अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति और अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान (एआईएसई) ने आयोजित किया था। जिसे संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार ने प्रायोजित किया। प्रतियोगिता के विषय में 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में युवाओं की भूमिका ने छात्रों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में युवा स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर गहन विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में लोकसभा सांसद और राष्ट्रमंडल महिला सांसद समिति की अध्यक्षा

डी. पुरंदेश्वरी मुख्य अतिथि रहीं। उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व कैबिनेट मंत्री और पूर्व संसद सदस्या प्रो. रीता बहुगुणा जोशी विशिष्ट अतिथि रहीं, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने समारोह की अध्यक्षता की। हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति, उत्तर प्रदेश के सचिव देव वर्मा भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डी. पुरंदेश्वरी ने भारत छोड़ो आंदोलन की स्थायी प्रासंगिकता पर विचार प्रकट किए और स्वतंत्रता तथा आत्मनिर्भरता के मूल्यों पर जोर दिया जो आज भी भारत के युवाओं में गूंजते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थायी विरासत न केवल स्वतंत्रता सेनानियों को बल्कि उन हजारों गुमनाम नायकों को भी सम्मानित करती है जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी कहानियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। इस प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के 17 से अधिक महाविद्यालयों से कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्र वक्ताओं ने स्पष्ट और भावपूर्ण भाषणों की प्रस्तुति दी। जिनमें ऐतिहासिक अंतर्दृष्टि, समकालीन प्रासंगिकता और वाक्पटुता की उत्कृष्टता झलकती थी। एक छात्रा ने स्वतंत्रता को 1942 के युवाओं के खून, पसीने और आंसुओं से हस्ताक्षरित एक खाली चेक के रूप में वर्णित किया।

गांव जाने से मना करने पर पति ने पत्नी की कर दी हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। । दक्षिण जिले के नेब सराय इलाके में गांव जाने से मना करने पर पति ने पत्नी पर हथौड़ी से तबाड़तोड़ हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। देर रात मृतका की बहू उठी तो घटना का पता चला। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच में मृतका की पहचान किरण झा के रूप में हुई है। नेब सराय थाना पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार किरण झा पिछले 10 साल से नेब सराय स्थित देवली गांव में किराए के मकान में रह रही थी। इनके साथ इनका बेटा दुर्गेश झा व बहू कोमल रहती है। किरण झा केयरटकर का काम करती थी। जबकि उनका बेटा प्रोइवेट कंपनी में काम करता है। किरण झा के दामाद विनय कुमार ने बताया कि किरण झा मूल रूप से बिहार की रहने वाली थी। वह पिछले 10 साल से पति से अलग रह रही थी। पति प्रमोद विहार में रहता है। विनय के अनुसार एक अगस्त को ही प्रमोद बिहार से दिल्ली आया था। वह बार-बार किरण झा को बिहार चलने के मजबूर कर रहा था। वह लेकिन वह बिहार नहीं जाना चाहती थी। विनय के अनुसार बुधवार सुबह करीब तीन बजे पानी के लिए वह घर आए तो किरण झा की बहू कोमल ने घटना के बारे में बताया। जिसके बाद उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी।

कुलजीत सिंह चहल ने दिल्ली को कूड़े से आजादी स्वच्छता अभियान का किया नेतृत्व

एजेंसी

नई दिल्ली। । राजधानी दिल्ली को साफ-सुथरा रखने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान की शुरुआत की। इस अभियान की शुरूआत मशहूर सरोजनी मार्केट से की गई, जो पूरे अगस्त भर चलेगा। चहल ने इस दौरान बाजार में सफाई कर्मचारियों, एनडीएमसी अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सफाई की और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि बाजार, सड़कें और सार्वजनिक स्थल साफ-सुथरे रहें। उन्होंने दुकानदारों और खरीददारों से अपील की कि वे सार्वजनिक जगहों पर कचरा न फैलाएं। एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने कहा कि यह अभियान एनडीएमसी के स्कूलों, अस्पतालों, पार्कों, कार्यालयों और बाजारों में भी चलाया जा रहा है। हर विभाग में एक पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, जो नियमित सफाई, जागरूकता कार्यक्रम और डिजिटल कैंपेन के जरिए लोगों में स्वच्छता की आदत डालने का प्रयास करेगा। चहल ने कहा कि क्लीन माय सिटी नाम से एक

जागरूकता मार्च निकाला जाएगा, जिसमें सफाई कर्मचारी, शिक्षक, डॉक्टर और स्वयंसेवक शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान सिर्फ सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक जनआंदोलन बनाया जा रहा है।चहल ने नागरिकों, विद्यार्थियों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए), बाजार संघों और अन्य संस्थागत समूहों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि गर्व और सशक्तिकरण का राष्ट्रीय आंदोलन बनाना हमारा उद्देश्य है। इसके बाद उन्होंने सरोजिनी नगर स्थित केशव पार्क में पौधा लगाकर हरियाली का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के साथ हरित वातावरण भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि पेड़ न केवल हमें स्वच्छ हवा देते हैं, बल्कि शहर को सुंदर और संतुलित भी बनाते हैं। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग की अधिकारी शकुंतला श्रीवास्तव, उद्यान विभाग के अधिकारी, सफाई कर्मचारी और बाजार व्यापारी संघ के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कर्तव्य भवन, कर्तव्यनिष्ठ शासन का प्रतीक स्मारक : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कर्तव्य भवन का उद्घाटन केवल एक नए सरकारी भवन का लोकार्पण नहीं है, बल्कि यह एक शक्तिशाली संदेश का प्रतीक है कि नए भारत में शासन व्यवस्था का आधार कर्तव्य, राष्ट्र सर्वोपरि और जनसेवा ही होना चाहिए। चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने यह बात कही है। खंडेलवाल ने कर्तव्य भवन के उद्घाटन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता का एक और ऐतिहासिक उदाहरण बताया। उन्?होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व भारत की प्रशासनिक व्यवस्था की मूल आत्मा को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। अत्याधुनिक सुविधाओं, विश्वस्तरीय ढांचे और टिकाऊ डिजाइन से युक्त कर्तव्य भवन ये दर्शाता है कि यह सरकार न केवल भविष्य के लिए तैयार है, बल्कि पारदर्शिता, सुगमता और कुशलता के लिए गहराई से प्रतिबद्ध भी है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन नाम रखकर प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि इस भवन में प्रवेश करने वाला हर अधिकारी, नीति निर्माता और जनसेवक राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों की भावना के साथ कार्य करे। यह भवन उत्तरदायी और कर्तव्यपरायण शासन का

प्रकाशस्तंभ बनकर आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। इस तरह की इमारतें केवल ईंट और पत्थर की संरचना नहीं होतीं, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती, संस्थाओं को सशक्त बनाने और नागरिकों को व्यवस्था से जोड़ने का माध्यम बनती हैं। कर्तव्य भवन नीति निर्माण, क्रियान्वयन और जन संवाद का एक सशक्त केंद्र बनेगा, जो भारत के अगले विकास अध्याय को आकार देगा। प्रधानमंत्री ने नवनिर्मित कर्तव्य भवन-3 का लोकार्पण किया।

दिल्ली विधानसभा भवन में लगाए गए 'फांसी घर' संबंधी भ्रामक बोर्ड को तुरंत हटाएंः रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। विधानसभा में मानसून सत्र में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्ववर्ती सरकार के विधानसभा भवन के एक हिस्से में 'फांसी घर' बताने के दावे को खारिज किया। उन्होंने इसे इतिहास के साथ खिलवाड़, शहीदों का अपमान और जनता के साथ धोखा करार दिया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता व सदन से आग्रह किया कि विधानसभा भवन में लगाए गए 'फांसी घर' संबंधी भ्रामक बोर्ड को तुरंत हटाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम विशेष रूप से 24-25 अगस्त को प्रस्तावित ऑल इंडिया स्पीकर कॉन्फ्रेंस से पहले अनिवार्य है, ताकि देशभर से आने वाले स्पीकरों को झूठा इतिहास न दिखाया जाए और दिल्ली विधानसभा की प्रतिष्ठा बनी रहे। इस 'फांसी घर' के झूठे प्रचार अभियान पर जनता के करदाताओं का लगभग एक करोड़ रुपये खर्च किए गए। उन्होंने इसकी वसूली सुनिश्चित करने, संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और एक विस्तृत जांच बिठाने की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता की भावनाओं से खेलते हुए बिना किसी प्रमाण, दस्तावेज या ऐतिहासिक आधार के विधानसभा भवन के एक हिस्से को 'फांसी घर' घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक तथ्यों का हवाला देते हुए बताया कि यह भवन वर्ष 1912 में बना और वर्ष 1913 से 1926 तक यहां इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल की बैठकें हुईं। जिस हिस्से को 'फांसी घर' बताया गया, वह दरअसल ब्रिटिश काल में अंग्रेज अफसरों के लिए बनाई गई सर्विस सीढ़ियां थीं, जिनका इस्तेमाल टिफिन सर्विस और अन्य कार्यों के लिए होता था। जबकि वास्तविक में पुरानी दिल्ली की जेल मौलाना आजाद कॉलेज परिसर में थी और वहीं फांसी की सजा दी जाती थी। उन्होंने कहा कि इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करना केवल जनता को भ्रमित करने के लिए नहीं, बल्कि शहीदों की कुर्बानी का भी अपमान है। जिस भवन में संविधान की गरिमा के अनुरूप कानून बनाए जाते हैं, उसी के दर-ओ-दीवार पर झूठ लिख देना अक्षम्य अपराध है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए स्क्रिप्टेड नाटक, भावनात्मक ड्रामा और झूठ का सहारा लिया, जिस पर लगभग एक करोड़ जनता का पैसा विज्ञापनों और प्रचार पर खर्च हुआ। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता के विश्वास के साथ खुला धोखा है। हमारी सरकार की जिम्मेदारी है।

सफेद चूरन से बनी जीवन रक्षक दवाएं बेच रहे थे, छह गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी गैंग स्क्वॉड (एजीएस) ने जीवन रक्षक दवाओं की आड़ में सफेद चूरन से बनी नकली टैबलेट और कैप्सूल बेचने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना राजेश मिश्रा समेत 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पिछले 6 सालों से दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के मुरादाबाद, देवरिया, गोरखपुर (उप्र), पानीपत, जिंद (हरियाणा), बद्दी और सोलन (हिमाचल प्रदेश) मेडिकल स्टोर्स को नकली दवाएं सप्लाई कर रहा था। क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट सीपी सुरेंद्र कुमार ने पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि 30 जुलाई को हेड कांस्टेबल जितेंद्र की सूचना पर सिविल लाइंस के एचपी सीएनजी पेट्रोल पंप पर छापा मारा गया। वहां मुरादाबाद, उप्र निवासी मोहम्मद आलम और मोहम्मद सलीम को कार के साथ नकली दवाओं की खेप ले जाते पकड़ा गया। जीएसके और जॉनसन एंड जॉनसन के विशेषज्ञों ने पैकेजिंग को नकली पाया। जांच में सामने आया है कि ये दवाएं सफेद बेस पाउडर (फिलर) से बनाई जाती थीं, जिसमें कोई सक्रिय दवा नहीं होती थी। वैसे प्राथमिक फॉरेंसिक जांच में भी इस चूरन में कोई खतरनाक या जहरीला केमिकल नहीं पाया गया, लेकिन रोगियों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता था क्योंकि ये दवाएं इलाज में असरहीन था। पुलिस टीम ने बद्दी (हिमाचल) और जींद (हरियाणा) की दो फैक्ट्रियों से 1.5 क्विंटल से अधिक सफेद पाउडर और 20 किलो कैप्सूल, भारी मात्रा में फर्जी पैकिंग मटेरियल, मशीनें और 10 अधिक ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर छपे बॉक्स जब्त किए गए।इन ब्रांडेड कंपनियों की नकली दवाएं बरामद अल्ट्रासेट (जॉनसन एंड जॉनसन), ऑगमेटाइन 625 (जीएसके), पैन 40 (अलकेम), बेटनोवेट एमॉक्सीलीन, पीसीएम, प्रोयको स्पैस, कानाकोर्ट इंजेक्शन इस प्रकार फैला था गिरोह का नेटवर्क मुख्य सरगना राजेश मिश्रा फार्मा इंडस्ट्री में अनुभव के आधार पर नकली उत्पादन का संचालन करता था। परमानंद के फार्मा यूनिट में गोलियां बनाई जाती थीं और प्रेम शंकर जैसे वितरक इन्हें झोला छाप डॉक्टरों तक पहुंचाने के साथ सोशल मीडिया के जरिए ग्राहक खोजते थे। मो. आलम और सलीम के जरिए दिल्ली-एनसीआर में दवाओं की डिलीवरी होती थी। गिरोह एन्क्रिप्टेड ऐप्स और फर्जी खातों के जरिए लेन-देन करता था।

संपादक की कलम से

भागवत की हिन्दू एकता से ही विश्वगुरु बन सकेंगे

हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी जरूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का जिम्मेदार समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तो़ने की कोशिशों, पोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं ष्यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आह्वान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव। हिन्दू एकता का किसी से विरोध नहीं है। यह सवेर्षां अविरोधेन् है। हिन्दू के लिए सारा विश्व एक कुटुम्ब है। हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम् को मानता है।

भारत को यदि प़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिये सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पायेंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पायेंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार कर-के फलता-फूलता है। हम कहते हैं विविधता में एकता, लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने जिस सत्य को उजागर किया है, वह हजारों साल पहले भी सत्य था और आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों एवं राजनीतिक स्थितियों के साथ उसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ी है। क्योंकि भारत से निकले सभी संप्रदायों का जो सामूहिक मूल्यबोध है, उसका नाम हिंदुत्व है। इसलिए संघ हिंदू समाज को संगठित, अजेय और सामर्थ्य-संपन्न बनाना चाहता है। इस कार्य को संपूर्णता तक पहुंचाना ही संघ का उद्देश्य है।

भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि एक ऐसे राजा को याद करता है जो अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 साल के वनवास पर चला गया-यह स्पष्ट रूप से भगवान श्रीराम का संदर्भ था, और वह व्यक्ति जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रखीं, और जिसने वापस आने पर राज्य सौंप दिया, यह था भरत का समर्पण। हिन्दू धर्म के भगवद गीता, रामायण, महाभारत, और वेद जैसे शास्त्रों एवं ग्रंथों से ऐसे ही नैतिक मूल्यों, मानवता और जीवन के उच्चतम आदर्शों का संदेश मिलता है, इसलिये हिन्दू समाज की एकता जरूरी है।

क्या वजन घटाने वाली दवाओं को छो़ने के बाद वेट फिर से बढ़ सकता है

भारत में मोटापा एक ब़ी समस्या बनता जा रहा है. आज इस समस्या की वजह से कई बीमारियां लोगों को अपनी चपेट में ले रही हैं. ायबिटीज, हार्ट अटैक समेत कई बमारियां मोटापे की वजह से हो रही हैं. महिलाओं और बच्चों में मोटापा अधिक देखा जा रहा है. हाल ही में मेकिल जर्नल द लैंसेट ने खुलासा किया कि भारत में महिलाओं में मोटापे की दर तेजी से बढ़ी है. बीते 30 सालों में 10 फीसदी महिलाएं मोटापे का शिकार हुई हैं. वहीं, पुरुषों में यह आंक़ा 5.4 फीसदी तक पहुंच गया है. यह आंक़े बताते हैं कि बढ़ते वजन की बीमारी ओबेसिटी कितनी तेजी से बढ़ रही है. लोग मोटापा कम करने के लिए आज बहुत सी दवाएं भी ले रहे हैं. मार्केट में मोटापा कम करने वाली दवाएं उपलब्ध हैं, बहुत से लोगों ने इन दवाओं की मदद से वेट लॉस किया है, लेकिन क्या कभी सोचा है कि मोटापा कम करने वाली दवाएं लेना बंद कर देते हैं तो उसके बाद क्या होता है. आइए एक्सपर्ट से जानते हैं इस बारे में..

मोटापे को कम करने में दवाइयां करती है मदद

दिल्ली के लेी हार्िग अस्पताल में मेर्सिन विभाग के पूर्व ॉ. सुभाष गिरी बताते हैं कि मोटापा किसी संक्रमण की तरह नहीं है, जिसमें एंटीबायोटिक्स लेते ही मोटापा कम होने लगता है. यह एक लंबी प्रक्रिया है. जीएलपी-1 एगोनिस्ट नामक दवा लेने से मोटापा को कम करने में कारगर साबित हुई है. अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जून 2021 में क्रोनिक वजन प्रबंधन के लिए सेमाग्लूटाइ नामक एक जीएलपी-1-आधारित दवा के ब्रां नाम वेगोवी को मंजूरी दी थी. इसके बाद 2023 में मौंजारो या टिरजेपेटाइ दवा भी मार्केट में आ गई. इन दवाओं के सेवन से लोगों ने 68 सप्ताह में औसतन 15-20 फीसदी वजन कम किया, लेकिन वेगोवी दवा के सेवन से कई दुष्प्रभाव भी सामने आए. इसमें मतली, पेट दर्द और सीने में जलन की शिकायतें भी आईं.

ऐसे में कई स्टी में पाया गया कि अगर आप दवा लेने बंद कर देते हैं तो उसके बाद वजन फिर से बढ़ने लगता है. 800 लोगों पर शोध किया गया. चार महीनों तक मोटे लोगों को सेमाग्लूटाइ इंजेक्शन दिया गया. इसमें 11 फीसदी वजन कम हुआ, लेकिन जैसे लोगों ने इसे छो़ा तो अचानक से खोया वजन 7% बढ़ गया.

वजन बढ़ने की रहती है संभावना

रुबिनो और दुनिया भर के अन्य विशेषज्ञों ने अपने क्लीनिकों में जीएलपी-1 दवाओं का इस्तेमाल करते समय इसी तरह के पैटर्न देखे हैं. अल्स्टर यूनिवर्सिटी में मेर्सिन के क्लीनिकल प्रोफेसर एलेक्स मिरास कहते हैं ह्लकुछ ही लोग वजन घटाने में कामयाब हुए. बाकी लोगों ने जैसे ही दवा खाना छो़ा कि 3 से 6 महीनों के भीतर उनका वजन फिर से बढ़ने लगा. जब आप वजन घटाने वाली दवाइयां छो़ते हैं, तो सबसे पहला असर यही हो सकता है कि आपका वजन फिर से बढ़ने लगे. दवाइयां वजन घटाने में मदद करती हैं, लेकिन जैसे ही आप उन्हें छो़ते हैं, शरीर पहले जैसा हो सकता है और वजन वापस बढ़ सकता है.

ऐसा इसलिए होता है कि दवाइयां मेटाबोलिज्म यानी शरीर के कैलोरी जलाने की प्रक्रिया को तेज करती हैं. अगर आप दवाइयां छो़ देते हैं, तो मेटाबोलिज्म धीमा हो सकता है, जिससे कैलोरी जलने में कम समय लगता है और वजन बढ़ने की संभावना होती है। शोध में पाया गया कि वजन घटाने वाली दवाइयां भूख को कंट्रोल करने में मदद करती हैं, लेकिन जब आप इन्हें बंद कर देते हैं, तो आपको ज्यादा भूख लगने लगती है।

सामाजिक न्याय की पिच पर नई सोशल इंजीनियरिंग अपेक्षित

-: ललित गर्ग-

विश्व सामाजिक न्याय दिवस सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसमें गरीबी, लैंगिक असमानता, महंगाई, महिला अत्याचार, बेरोजगारी, मानवाधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयास शामिल हैं। यह दिवस प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाता है और यह आयोजन हर साल हमें अधिक निष्पक्ष, अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटना। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इसे पहली बार साल 2009 में मनाया गया था। दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी। दुनिया में राजनैतिक विभाजन पहले से अधिक हो रहा है एवं समुदायों में असुरक्षा ज्यादा बढ़ती दिख रही है। हम सब मिलकर जाति-धर्म, गरीबी- अमीरी, वंश-वर्ग आदि सारे भेदभाव को भुलाकर एक स्वस्थ एवं आदर्श समाज की स्थापना करें और मानव अधिकारों का सम्मान करें, यही इस दिवस का मूल उद्देश्य है। सामाजिक न्याय की पिच पर ही नई सोशल इंजीनियरिंग तैयार हो सकती है।

यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो आज अधिक प्रासंगिक है। इस संदर्भ में निष्पक्षता का अर्थ है शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, न्याय और अन्य के समान मानकों तक समान पहुंच। सभी की इन चीजों के समान मानकों तक समान पहुंच होनी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लैंगिकता, लिंग या वर्ग कुछ भी हो। विश्व सामाजिक न्याय का मतलब है, ऐसा समाज बनाना जहां सभी लोगों को समान अधिकार, अवसर और व्यवहार मिलें। सामाजिक न्याय के जरिए समाज की आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को कम करने की कोशिश की जाती है और सभी नागरिकों को सामाजिक समानता देने के प्रयास किये जाते हैं। समाज की सामान्य भलाई के लिए दूसरों की देखभाल एवं सहायता करने की जिम्मेदारी और सभी को अपनी जिंदगी में सुधार करने के लिए समान अवसर मिले, इसके लिये यह दिवस एक आह्वान है। सामाजिक न्याय की आकांक्षा, यह सुनिश्चित करती है कि हर कामकाजी पुरुष और महिला को अपने योगदान के मुताबिक उचित हिस्सा मिले, जो सामाजिक न्याय, सामाजिक एकजुटता, आर्थिक विकास, और मानव प्रगति के लिए जरूरी है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस को सफल बनाने के लिए कई देश एक साथ मिलकर बेरोजगारी, गरीबी, जाति भेदभाव, लिंग और धर्म के नाम पर बंटे लोगों को एकजुट करने की कोशिश करते हैं। भारत में भी सदियों से लोगों को समान अधिकार देने का विधान रहा है। इसके लिए भारतीय संविधान में सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए कई प्रावधान हैं। समाज में यह जागरूकता फैलाने की जरूरत है कि सभी एक हैं और किसी में भी कोई भेदभाव नहीं देखना चाहिए। भारत सरकार भी कई योजनाएं चला रही हैं। एक विचार के रूप में सामाजिक न्याय की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। इसके मुताबिक किसी के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर किसी के पास इतने न्यूनतम संसाधन होने चाहिए कि वे उत्तम जीवन की अपनी संकल्पना को धरती पर उतार पाएँ। विकसित हों या विकासशील, दोनों ही तरह के देशों में राजनीतिक सिद्धांत के दायरे में सामाजिक न्याय की इस अवधारणा और उससे ज़ुी अभिव्यक्तियों का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है। भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समूहों की राजनीतिक गोलबंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। उदारतावादी मानकीय राजनीतिक सिद्धांत में उदारतावादी-समतावाद से आगे बढ़ते हुए सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई आयाम ज़ुते गये हैं। मसलन, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंस्कृतिवाद, मूल निवासियों के अधिकार आदि। इसी तरह, नारीवाद के दायरे में स्त्रियों के अधिकारों को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर सिद्धांतीकरण हुआ है और स्त्री-सशक्तीकरण के मुद्दों को उनके सामाजिक न्याय से जो़ कर देखा जाने लगा है।

अनेक असमानताओं, आग्रहों, समस्याओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सामाजिक न्याय के उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार का सामाजिक न्याय का तरीका समाज में विभेद करने का नहीं है, बल्कि समाज को जो़ने का है। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को समाज के वंचित एवं हाशिए पर पे़ वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, पिछ़ा वर्ग, विकलांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों आदि के कल्याण, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने कहा भी है कि सामाजिक न्याय, तुष्टिकरण से नहीं, संतुष्टिकरण से आता है। सरकार के द्वारा कई योजनाएं के अंतर्गत लोगों को समान अधिकार देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, ऊंचनीच को ज़ से समाप्त करते हुए इससे समस्त समाज का एकसाथ विकास का प्रयास हो रहा है।

हम जिस लोकतंत्र में जी रहे हैं वह लोक-समानता का लोकतंत्र है या लोक-विभेद का हम जो स्वतंत्रता भोग रहे हैं वह समानता की स्वतंत्रता है या अराजक एवं असमानता की हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं। रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि मनुष्य का कल्याण ही सबसे ब़ा कानून है। लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। नहीं तो फिर रह क्या जाएगा हमारे पास। टमाटर, प्याज के आसमान छूते भाव- प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके।

सरकारों के पास शक्ति के कई स्रोत है, लेकिन इस शक्ति से कितनों का कल्याण हो रहा है कैसा विचित्र लोकतंत्र है जिसमें नेता एवं नौकरशाहों का एक संयुक्त संस्करण केवल इस बात के लिये बना है कि न्याय की मांग का जबाव कितने अन्यायपूर्ण तरीके से दिया जा सके। महंगाई के विरोध का जबाव महंगाई बढ़ा कर दो, रोजगार की मांग का जबाव नयी नौकरियों की बजाय नौकरियों में छंटनी करके दो, कानून व्यवस्था की मांग का जबाव विरोध को कुचल कर आंसू गैस, जल-तोप और लाटी-गोली से दो। नेता एवं नौकरशाह केवल खुद की ही न सोचें, अपने परिवार की ही न सोचें, जाति की ही न सोचें, पार्टी की ही न सोचें, राष्ट्र की भी सोचें, सम्पूर्ण मानवता की सोचें। क्या हम लोकतंत्र को अराजकता की ओर धकेलना चाह रहे हैं नेतृत्व आज चुनौतीभरा अवश्य है, विकास का मंत्र भी आकर्षक है।

अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए या नहीं

देखा जाये तो रेल मंत्री पद से अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की ही नहीं है। आप रेलवे को समग्र रूप में देखेंगे तो पाएंगे कि कोई ब़ा सुधार कर पाने में अश्विनी वैष्णव पूरी तरह विफल रहे हैं। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगद़ में 18 लोगों की मौत ही ब़ी खबर नहीं है। ब़ी खबर यह भी है कि रेलवे ने पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखा है। ब़ी खबर यह भी है कि लोग यह समझ चुके हैं कि रेलवे में सुधार की बातें सिर्फ खोखली हैं। ब़ी खबर यह भी है कि तमाम लोगों को इस बात का पक्का विश्वास हो चला है कि पर्वों-त्योहारों और छुट्टियों के समय टिकट खरीदने से लेकर अपने गंतव्य तक पहुँचने तक रेल का सफर परेशान करेगा ही करेगा। ब़ी खबर यह भी है कि रेलवे स्टेशन पर या पटरी पर चलती ट्रेन के साथ कितनी ब़ी दुर्घटना हो जाये, रेल मंत्री कभी नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेंगे। ब़ी खबर यह भी है कि दुर्घटना होने पर मुआवजे या जांच का ऐलान तुरंत ही करने वाले रेल मंत्री अपना इस्तीफा देना तो दूर कभी इस्तीफे की पेशकश तक नहीं करेंगे।

देखा जाये तो रेल मंत्री पद से अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की ही नहीं है। आप रेलवे को समग्र रूप में देखेंगे तो पाएंगे कि कोई ब़ा सुधार कर पाने में अश्विनी वैष्णव पूरी तरह विफल रहे हैं। अगर महाकुंभ की ही बात कर लें तो भले रेल मंत्री ने प्रयागराज के लिए हजारों ट्रेनें चलाने के दावे किये हों लेकिन आप देशभर में सर्वे करा लें तो पाएंगे कि प्रयागराज के लिए ज्यादातर लोगों को ट्रेनों में टिकट मिले ही नहीं और जिनको टिकट मिले उनका सफर आरामदायक नहीं रहा। यही नहीं, हैरानी की बात यह भी रही कि प्रयागराज के लिए रेलवे की वेबसाइट और ऐप पर भले टिकट नहीं थे लेकिन मेकमाई ट्रिप जैसी ट्रैवल साइटों पर 500 रुपए की अतिरिक्ति फीस देकर उसी तारीख के रेलवे टिकट उपलब्ध थे। हम 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन 2025 तक रेलवे को इतना भी आत्मनिर्भर नहीं बना पाये हैं कि उसकी ही वेबसाइट और ऐप पर सभी को कंफर्म टिकट मिल जायें। आज भी रेल यात्रियों को अपना टिकट कंफर्म कराने के लिए वीआईपी कोटा या रेलवे कोटा लगवाने के लिए नेताओं और अधिकारियों से मदद मांगनी प़ती है जोकि शर्मनाक है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगद़ की घटना के जांच के आदेश तो दे दिये गये हैं लेकिन सवाल उठता है कि पहले की घटनाओं की जांच रिपोर्टों का क्या हुआ पिछली घटनाओं के लिए कौन लोग दोषी ठहराये गये, उन्हें कौन-सी क़ी सजा हुई क्या इसका विवरण कभी रेल मंत्री देश के सामने रखने का साहस जुटाएंगे देखा जाये तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगद़ की घटना का प्रमुख कारण था ऐन समय पर ट्रेनों के प्लेटफॉर्म का बदला जाना। यह ऐसी चूक है जिसकी वजह से पहले भी दुर्घटनाएं हुई हैं लेकिन रेलवे ने कभी सबक नहीं सीखा। जब रेलवे स्टेशन का प्रबंधन यह देख रहा था कि वहां भारी भी़ उम़ी हुई है तो प्लेटफॉर्म बदलने का फैसला टाल कर क्या घटना को रोका नहीं जा सकता था बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भी नहीं है। देश के तमाम शहरों से इस प्रकार की खबरें सामने आ रही हैं कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में लोग भारी भी़ की वजह से चढ़ नहीं पा रहे हैं। इस प्रकार के भी वीयिो वायरल हैं जिसमें देखा जा सकता है कि यात्री सिर्फ दरवाजों से ही नहीं बल्कि ख़िकियों से भी ट्रेन के भीतर जा रहे हैं। सोशल मीयिा पर तमाम वायरल वीयिो में भी देखा जा सकता है कि लोग ट्रेनों में नहीं चढ़ पाने को लेकर तो़फो़ तक कर रहे हैं। जनता की यह नाराजगी साफ दशार्ती है कि महाकुंभ जैसे ब़े आयोजन को लेकर रेलवे की ओर से पर्याप्त तैयारियां नहीं की गयी थीं।

राष्ट्रीयता एवं स्वाभिमान के प्रतीक थे छत्रपति शिवाजी

(अंजनी सक्सेना - विभूति फीचर्स)

इतिहासकारों, विशेषकर अंग्रेज इतिहासकारों ने भारत के जिन महापुरुषों के साथ अन्याय किया है, उनमें छत्रपति शिवाजी भी हैं। उनके जिन गुणों एवं विशेषताओं को आदर एवं सम्मान के साथ वर्णन किया जाना चाहिए था, उनकी लगभग उपेक्षा ही की गई है। विश्व के इस श्रेष्ठ इतिहास पुरुष को मात्र हिन्दवी स्वराज या हिन्दू पद पादशाही के नेता के रूप में चित्रित किया गया है तथा सर्व धर्म समभाव तथा सभी जातियों के प्रति सम्मान, सद्भाव एवं आदर के उनके गुण एवं विशेषताओं को ज्यादा महत्व नहीं दिया गया है। राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान के उनके अभूतपूर्व संघर्ष को हिन्दू-मुस्लिम संघर्ष निरूपित किया गया। यहां तक कि कुछ अंग्रेज इतिहासकारों तथा मुगलिया इतिहास लेखकों ने उन्हें एक लुटेरा-शासक निरूपित करने की हीन हरकत तक की है।

वस्तुतः शिवाजी का संपूर्ण जीवन ही भारत में राष्ट्रीयता एवं स्वाभिमान को विकसित करने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने हिन्दू संस्कृति की रक्षा करने का प्रयास किया,पर इसके साथ ही उन्होंने दूसरे धर्मों को भी सम्मान दिया। यही कारण था कि शिवाजी ने यह नियम बना दिया था कि उनके सैनिक, धार्मिक एवं पवित्र स्थानों, मस्जिदों, स्त्रियों और कुरान शरीफ को किसी भी प्रकार की हानि नहीं पहुंचायेंगें और न इनका अपमान करेंगे। कुरान की कोई प्रति जब उन्हें मिल जाती थी तो वे उसका पूरी तरह आदर एवं सम्मान करते थे। किसी हिन्दू या मुस्लिम स्त्री को जब बंदी बना लिया जाता था तो शिवाजी उस समय तक उसकी देखरेख करते थे, जब तक कि वह स्त्री उसके परिजनों को सौंप नहीं दी जाती थी। कई मुस्लिम स्त्रियों को उन्होंने मां के संबोधन से संबोधित किया था। उन्होंने मकबरों तथा धार्मिक स्थानों को अनुदान देने की प्रथा को पुनः लागू किया था। यही कारण था कि उनकी सेना में कई मुस्लिम अधिकारी थे, जिसमें मुंशी हैदर, सिद्दी सम्बल,सिद्दी मिसरा दरिया, सारंग, दौलत खां, सिद्दी हलाल और नूर खां के नाम उल्लेखनीय हैं। ये सभी शिवाजी के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं आस्था रखते थे। शिवाजी ने पहली बार भारत में सुव्यवस्थित जलसेना की स्थापना की थी। इस जलसेना का सेनापति भी एक मुस्लिम दौलत खां था। सर्वधर्म समभाव के साथ-साथ शिवाजी ने हिन्दू धर्म में व्याप्त जाति प्रथा के आधार पर भेदभाव की भावना को समाप्त करने का भी प्रयास किया था। उनकी धारणा थी कि व्यक्ति का सम्मान जाति के आधार पर नहीं होना चाहिए। इसलिए जहां उन्होंने ब्राह्मण विद्वानों को सम्मान एवं आदर दिया, वहीं उन्होंने मल्लाह, कोली, बाघर, संधर, एवं अन्य उपेक्षित जातियों को संगठित करके उन्हें भी अपनी सेना में स्थान दिया। अंग्रेज इतिहासकारों ने शिवाजी के जिस संघर्ष को हिन्दू-मुस्लिम संघर्ष का नाम दिया, वस्तुतः वह धार्मिक कट्टरता के विरुद्ध सर्वधर्म समभाव का संघर्ष था। औरंगजेब ने दिल्ली में सत्ता सम्हालते ही जो आदेश जारी किए थे, उनसे हिन्दू ही नहीं अपितु मुसलमानों का स्वाभिमान एवं धार्मिक भावनाएं आहत हो रही थीं। उसने राज दरबार में उपस्थित होने वाले हिन्दुओं द्वारा मस्तक पर तिलक लगाना रोक दिया था, होली के उत्सव एवं जुलूस बंद कर दिए थे, नये मंदिरों के निर्माण पर पाबंदी लगा दी थी, सैक़ों पुराने मंदिरों को तो़ दिया गया था। यही नहीं ताजियों के जुलूसों पर रोक लगा दी गई थी, कई सूफियों, दरवेशों और फकीरों को उसने क़ी सजाएं दी थीं, संगीत तक पर रोक लगा दी गई थी।औरंगजेब की इस कट्टरता से सारा देश त्राहि-त्राहि कर रहा था। औरंगजेब की इसी कट्टरता के विरुद्ध शिवाजी ने जब संघर्ष का शंखनाद किया तो स्वाभिमानी और राष्ट्रीयता के प्रेमी भारतीय, शिवाजी के नेतृत्व में एकजुट हुए, इनमें हिन्दू और मुसलमान सभी थे। शिवाजी के औरंगजेब से संघर्ष को हिन्दू-मुसलमान संघर्ष निरूपित करने वाले इस तथ्य को भूल जाते हैं कि शिवाजी ने हिन्दू राजाओं से भी संघर्ष किया था। इनमें घोरपे़, मोरे, निम्बालकर, सावंत, जाधव आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक के जिन किलों पर उन्होंने अधिकार किया, उनमें से अधिकांश पर हिन्दू ही काबिज थे। शिवाजी जहां आदर्शवादी थे वहीं वे व्यावहारिक भी थे। वे जानते थे कि कांटे को कांटे से ही निकाला जा सकता है। इसीलिए उन्होंने अपने कपटी और चालाक दुश्मनों से वैसा ही व्यवहार किया। इसके लिए वे कभी झुके, कभी पीछे हटे और कभी-कभी दुश्मनों से ऐसे समझौते भी किये, जिनसे उन्हें अपमान भी झेलना प़ा। उनके शत्रु न सिर्फ कपटी और चालाक थे, बल्कि वे शक्तिशाली और साधन संपन्न भी थे, ऐसे शत्रुओं से लने के लिए साधनों की व्यवस्था करने हेतु शिवाजी ने शत्रुओं को लूटकर भी धन जमा किया था। शिवाजी ने औरंगजेब को उसी की नीतियों पर चलते हुए झुकने के लिए विवश किया। जब बीजापुर के सरदार अफजल खां ने शिवाजी को धोखे से मारने की कोशिश की तो शिवाजी ने उसे ही मार गिराया। इस विजय से शिवाजी का नाम घर-घर में लोकप्रिय हो गया और बीजापुर की सेना के अफगान सैनिक भी शिवाजी की सेना में शामिल हो गये। वहीं दूसरी ओर औरंगजेब के मामा शाइस्ता खां ने भी जब शिवाजी को धोखा देना चाहा तो शिवाजी ने उस पर सोते समय ही आक्रमण करके उसे मार दिया। शाइस्ता खां का बेटा भी इस हमले में मारा गया। पुरन्दर की संधि को लेकर की जाती है, लेकिन कुछ समय के लिए औरंगजेब के सामने झुककर शिवाजी ने न केवल उसे भ्रम में रखा, बल्कि अपनी अबूझ सैन्य क्षमता का परिचय देते हुए अपने सारे साथियों को पुनः इकट्ठा कर लिया। औरंगजेब द्वारा अपमानित किए जाने पर शिवाजी ने भरी सभा में औरंगजेब को जवाब दिया, परिणामस्वरूप वे कैद तो कर लिये गये, लेकिन औरंगजेब के क़े पहरे से शिवाजी अपने पुत्र संभाजी के साथ टोकरियों में बैठकर कैसे बाहर निकले, यह कहानी सभी जानते हैं। शिवाजी की रणनीति ने अंततः औरंगजेब को झुकने पर विवश कर दिया और बाद में औरंगजेब ने शिवाजी को राजा की उपाधि से विभूषित किया। शिवाजी के इस सर्वधर्म समभाव एवं सर्व जाति सद्भाव के लिए उनके बाल्यकाल के संस्कार तथा समर्थ गुरू सुनाकर उनको सुदृढ़ चरित्र का स्वामी बनाया वहीं समर्थ गुरु रामदास ने उन्हें सिया राम मय सब जग जानी का ज्ञान दिया।

नेपाल संसद में अब नहीं पेश होगा बहुविवाह से संबंधित कोई भी विधेयक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के कानून मंत्री अजय कुमार चौरासिया ने संसद में आश्वासन दिया कि बहुविवाह से संबंधित कोई भी विधेयक संसद में प्रस्तुत नहीं किया जाएगा, जो सामाजिक मूल्यों और मानदंडों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। प्रतिनिधि सभा की बैठक में मंत्री चौरासिया ने सांसदों के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालने या बहुविवाह जैसे सामाजिक मूल्यों और मानदंडों का खंडन करने वाले किसी भी विधेयक को सदन में पेश नहीं किया जाएगा। मंत्री चौरासिया ने मीडिया और सोशल नेटवर्क में प्रसारित अटकलों की व्याख्याओं के कारण जनता के बीच भ्रम और आक्रोश पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आपराधिक संहिता और अन्य कानूनों के कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से प्रस्तावों के संबंध में कुछ मीडिया आउटलेट्स और सोशल मीडिया में धारणाओं के आधार पर विभिन्न व्याख्याओं ने आम जनता के बीच गलतफहमी और गुस्सा पैदा कर दिया है। मंत्री चौरासिया ने जोर देकर कहा कि कोई भी ऐसे कानूनों का मसौदा तैयार करने के लिए सहमत नहीं हो सकता है, जो मौजूदा सामाजिक व्यवस्था को बाधित करेंगे। उन्होंने दोहराया कि कोई भी सामाजिक व्यवस्था को बाधित करने वाले कानून का मसौदा तैयार करने के लिए उनका मंत्रालय सहमत नहीं हो सकता है।

बीएनपी ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार की चुनाव घोषणा को ऐतिहासिक बताया

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस के मंगलवार रात राष्ट्र के नाम संबोधन का स्वागत किया है। बीएनपी ने प्रो. यूनुस के अगले साल फरवरी में चुनाव कराने की घोषणा को ऐतिहासिक बताया है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने राजधानी ढाका के गुलशन स्थित बीएनपी अध्यक्ष के कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आधिकारिक प्रतिक्रिया में यह बात कही। बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक घोषणा बांग्लादेश के राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करेगी और लोकतंत्र की ओर हमारी यात्रा को प्रशस्त करेगी। मिर्जा फखरुल ने कहा, बीएनपी को उम्मीद है कि सरकार और चुनाव आयोग आगामी चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और सभी के लिए स्वीकार्य बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। पार्टी सभी राजनीतिक दलों और जनता से एक प्रभावी राष्ट्रीय संसद बनाने की दिशा में काम करने का पुरजोर आह्वान करती है। बीएनपी महासचिव ने इस चुनाव को बेहद अहम बताते हुए कहा कि देश की जनता अब स्वयं कानून-व्यवस्था की सबसे मजबूत रक्षक बनकर खड़ी होगी।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

काठमांड। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आज लैंडलॉक्ड विकासशील देशों (एलएलडीसी) पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति सर्दार बर्दिमुहामेदो के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने तुर्कमेनिस्तान को एलएलडीसी के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही नेपाल के साथ मिल कर पर्यटन क्षेत्र में विकास करने का भी आग्रह किया। अपने सोशल मीडिया एक्स पर इस मुलाकात के बारे में पोस्ट करते हुए ओली ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति को नेपाल भ्रमण का निमंत्रण देने की जानकारी दी। इससे पहले आज पीएम ओली ने सम्मेलन में व्यापार सुविधा और क्षेत्रीय सहयोग पर गोलमेज सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। सत्र में उन्होंने एलएलडीसी के सामने आने वाली संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग और व्यापार सुविधा उपायों को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। गोलमेज सम्मेलन में व्यापार बाधाओं को कम करने, संपर्क अवसंरचना में सुधार करने और भूमि से घिरे देशों के बीच आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

शिकागो में आग्नेयास्त्र और मशीनगन का जखीरा बरामद, 41 गिरफ्तार

शिकागो। संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी इलिनोइस राज्य के प्रमुख शहर शिकागो में संघीय और स्थानीय अधिकारियों ने आग्नेयास्त्र और मशीनगन का जखीरा पकड़ा है। इन हथियारों की आपूर्ति शिकागो और पूरे अमेरिका में अपराधियों को की जानी थी। इस सिलसिले में 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया।अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो (एटीएफ) और शिकागो पुलिस विभाग ने पांच अगस्त को 41 लोगों की गिरफ्तारी की घोषणा की। इनमें एक ऐसा व्यक्ति भी शामिल है, जिसे पहले सामूहिक गोलीबारी की धमकी देने का दोषी ठहराया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि एटीएफ और पुलिस ने 171 आग्नेयास्त्र और 64 मशीनगन बरामद की हैं। दो माह तक चले इस धरपकड़ अभियान का नेतृत्व शिकागो के एटीएफ के क्राइम गन इंटेलिजेंस सेंटर ने किया। शिकागो के पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने कहा, यह अभियान विभाग के लिए बड़ी सफलता है। बंदूक हिंसा में बहुत से लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए 41 लोगों में से 18 पर संघीय अदालत में मुकदमा चल रहा है।

बीएलए ने तुर्बत में पाकिस्तान के सैन्य काफिले पर हमले की जिम्मेदारी ली, दो जवानों को मारने का दावा

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान के बलूचिस्तान के तुर्बत शहर के पास पाकिस्तान के एक सैन्य काफिले पर हुए बम हमले की जिम्मेदारी ली। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में उसके लड़ाकों ने पाकिस्तान के दो सैन्य कर्मियों को मौत के घाट उतार दिया। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने जारी बयान में कहा कि लड़ाकों ने तुर्बत के बाहरी इलाके में गोगदान-सोराप पुल के पास रिमोट-नियंत्रित आईईडी से पाकिस्तान की सेना के तीन वाहनों वाले काफिले को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि विस्फोट में दो पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कम से कम चार अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा

गया है कि पाकिस्तान की सैन्य मीडिया शाखा आईएसपीआर ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। तुर्बत में हुआ यह हमला पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बलूच सशस्त्र समूहों के बड़े अभियान का हिस्सा है। पिछले तीन सप्ताह में दर्जनों सैन्यकर्मी मारे गए हैं। इनमें मेजर रैंक के कई अधिकारी भी शामिल हैं। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बताया कि 16 जुलाई को मेजर सैयद रबनवाज तारिक अवारन जिले में किए गए उसके हमले में मारे गए। इसकी जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने ली थी। तीन दिन बाद मेजर अनवर काकर क्वेटा के जबल-ए-नूर के पास एक बम विस्फोट में मारे गए। इस विस्फोट को बीएलए के विशेष सामरिक अभियान दस्ते (एसटीओएस) ने अंजाम दिया। इसके अलावा 23 जुलाई को मेजर जैद सलीम मस्तुंग के पहाड़ी क्षेत्र में बीएलए लड़ाकों के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए। हाल ही में 5 अगस्त को मेजर रिजवान नुश्की में सड़क किनारे हुए एक आईईडी विस्फोट में मारे गए। मेजर जैद की हत्या की जिम्मेदारी बीएलए ने ली थी।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी किम से आपराधिक संदिग्ध के रूप में हुई पूछताछ

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम कियोन ही से अभियोजन पक्ष ने आपराधिक संदिग्ध के रूप में पूछताछ की है। इस तरह की पूछताछ में शामिल होने वाली किम पहली पूर्व प्रथम महिला हैं। 52 वर्षीय किम बुधवार सुबह मिन जोंग-की के नेतृत्व वाली एक विशेष वकील टीम के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित हुईं। इस टीम को पूर्व प्रथम महिला से जुड़े आरोपों की जांच का काम सौंपा गया है।द कोरिया हेराल्ड अखबार की खबर के अनुसार किम से पूछताछ 02 जुलाई को टीम के आधिकारिक रूप से गठित होने के लगभग एक महीने बाद हुई है। किम ने जांच में शामिल होने से पहले पत्रकारों से कहा, मैं लोगों से ईमानदारी से क्षमा चाहती हूं। मैं जांच में पूरा सहयोग करूंगी। हालांकि, पूर्व प्रथम महिला ली सून-जा (पूर्व राष्ट्रपति चुन डू-ह्वान की पत्नी) और क्वोन यांग-सूक (पूर्व राष्ट्रपति रोह मू-ह्यून की पत्नी) को अभियोजन पक्ष ने क्रमशः 2004 और 2009 में तलब किया था, लेकिन उनसे संदिग्ध के रूप में पूछताछ नहीं की गई।सहायक विशेष वकील मून होंग-जू ने ब्रीफिंग में बताया कि जांच आधी से अधिक पूरी हो चुकी है। उनसे आयातित कार डीलर डॉयच मोटर्स के शेयर मूल्य में हेराफेरी, रिश्वतखोरी के एक मामले और 2022 के उपचुनाव में प्रभाव डालने के मामले में उनकी कथित संलिप्तता से संबंधित विषयों पर पूछताछ की गई। रिश्वतखोरी का मामला किम के जियोन सियोंग-बे से संबंधों से जुड़ा है। पूर्व प्रथम महिला किम से 29 नवंबर तक पूछताछ जारी रह सकती है।

बलूचिस्तान पुलिस ने शिया तीर्थयात्रियों के विरोध मार्च को हब नदी पुल पर रोका

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में ईरान और इराक की चेहल्लुम तीर्थयात्रा मार्ग के लंबे हिस्से में पाकिस्तान की संघीय सरकार के प्रतिबंध लगाने की मुखालफत शुरू हो गई है। इस प्रतिबंध के विरोध में कराची से शुरू हुए शिया तीर्थयात्रियों के पैदल मार्च को बलूचिस्तान पुलिस ने सिंध-बलूचिस्तान सीमा के पास हब नदी पुल पर ताफ्तान सीमा पर पहुंचने से पहले रोक दिया। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बलूचिस्तान पुलिस और आतंकवाद-रोधी बल (एटीएफ) के जवानों ने बलूचिस्तान में प्रवेश के मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मसले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत चल रही है। इस मार्च का नेतृत्व विभिन्न शिया संगठनों के प्रतिनिधि कर रहे हैं। मार्च में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और युवा शामिल हैं। चेहल्लुम आशूरा के चालीस दिन बाद पड़ता है। चेहल्लुम बलूच यकजेहती समिति ने इस प्रतिबंध की निंदा करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन

के लिए इराक के कर्बला में इमाम हुसैन की दरगाह की तीर्थयात्रा में हर साल दुनिया भर से लाखों लोग शामिल होते हैं। पाकिस्तान से सैकड़ों तीर्थयात्री पारंपरिक रूप से बलूचिस्तान में ताफ्तान सीमा के रास्ते ईरान और फिर इराक जाते हैं। बताया है। संगठन ने कहा कि राज्य का दायित्व है कि वह तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, न कि व्यापक प्रतिबंध लगाए। बीवाईसी ने मार्च को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे एक वैध संवैधानिक और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति बताया है।

ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से आज यहां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मुलाकात की। दोनों के बीच हुई बातचीत का विवरण साझा नहीं किया गया। क्रेमलिन ने यह जरूर कहा कि यह बातचीत व्हाइट हाउस के रूस को यूक्रेन के साथ शांति समझौता करने के लिए दी गई समय सीमा से कुछ दिन पहले हुई है। ट्रंप ने कहा है कि शांति न करने पर रूस को गंभीर आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। इसका असर रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भी पड़ सकता है। न्यूज चैनल ने रूस के सरकारी मीडिया के हवाले से प्रसारित खबर में कहा कि यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली। दोनों पक्षों में से किसी ने भी बातचीत का तत्काल ब्यौरा नहीं दिया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के प्रसारित एक वीडियो फुटेज में दिखाया गया कि विटकॉफ ने क्रेमलिन से कुछ ही दूरी पर स्थित जार्यादि पार्क में रूसी राष्ट्रपति के निवेश एवं आर्थिक सहयोग दूत किरिल दिमित्रिएव के साथ सुबह सैर की। दिमित्रीव ने हाल के महीनों में इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच तीन दौर की सीधी वार्ता के अलावा रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच चर्चा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रूस के अपने पड़ोसी पर आक्रमण के बाद तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने की दिशा में वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई है। पुतिन के लिए ट्रंप की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त हो रही है। वाशिंगटन ने धमकी दी है कि अगर युद्ध नहीं रुका तो कठोर शुल्क और अन्य आर्थिक दंड लगाए जाएंगे। ट्रंप यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर रूस के बढ़ते हमलों से चिंतित हैं। वह कह चुके हैं कि पुतिन ने उन्हें निराश किया है। इस बीच रूसी राष्ट्रपति की प्रेस सेवा ने बताया है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और स्टीव विटकॉफ के बीच क्रेमलिन में हुई बैठक में रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव भी शामिल हुए। बातचीत खत्म होने के तुरंत बाद विटकॉफ का काफिला क्रेमलिन से बाहर निकल गया। तास के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन में कहा कि वह यूक्रेन में जारी सैन्य संघर्ष को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, यह बाइडेन का युद्ध है। यह मेरा युद्ध नहीं है। मैं इसे रोकने के लिए यहां हूं। उन्होंने कहा, मैंने पिछले पांच महीनों में पांच युद्ध रोके हैं। और मैं चाहता हूं कि यह छठा युद्ध हो। सीबीएस न्यूज के अनुसार पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि पुतिन गंभीर बातचीत से बच रहे हैं। अग्रिम मोर्चे पर स्थिति यूक्रेनी सेना के लिए गंभीर है।

अमेरिका में साल्सा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले दिग्गज संगीतकार एडी पाल्मिएरी का निधन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में साल्सा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले 20वीं सदी के महान संगीतगार एडी पाल्मिएरी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। 88 वर्षीय पाल्मिएरी ने न्यू जर्सी के हैकेनसैक स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली। उनकी सबसे छोटी बेटी गैब्रिएला ने उनके निधन की पुष्टि की। पियानोवादक और बैंड लीडर पाल्मिएरी का सर्वाधिक योगदान अफ्रीकी-कैरेबियाई संगीत के साल्सा में है। जीवंत नृत्य शैली से भरपूर साल्सा को लयबद्ध और जोशीला संगीत माना जाता है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, एडी ने 1961 में पहला आठ सदस्यों वाला ला परफेक्टा बैंड स्थापित किया। उन्होंने इसके माध्यम से लैटिन संगीत में कई शैलीगत बदलाव किए। इससे उन्हें आय के रूप में अकूत संपत्ति प्राप्त हुई। उन्होंने कभी भी नवाचार करना बंद नहीं

किया। 1970 के दशक में पाल्मिएरी ने वामोनोस पाल मोंटे और द सन ऑफ लैटिन म्यूज़िक सहित कई बेहद लोकप्रिय एलबम में जैज, रॉक, फंक और यहां तक कि आधुनिक शास्त्रीय संगीत के साथ साल्सा को भी शामिल किया। उन्होंने फ्यूजन बैंड हार्लेम रिवर ड्राइव के साथ भी काम किया। जैज संगीतकार कैल त्जादर, ब्रायन लिंच और डोनाल्ड हैरिसन के साथ उनकी जोड़ी ने भरपूर ख्याति अर्जित की। पाल्मिएरी ने हरदम जैज पियानोवादक मैकॉय टाइनर और थेलोनियस मोंक को अपना प्रेरक माना। प्यूर्टो रिकान संस्कृति के विद्वान जुआन फ्लोरेस ने साल्सा राइजिंग- न्यूयॉर्क लैटिन म्यूजिक ऑफ द सिक्सटीज जेनरेशन (2016) में लिखा है कि पाल्मिएरी साल्सा के सांस्कृतिक आंदोलन के प्रमुख प्रवर्तक हैं। उन्हें 2013 में नेशनल एंडोमेंट फॉर द आर्ट्स ने जैज मास्टर की उपाधि दी। लैटिन ग्रैमी में उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि वह कभी हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर सके। पाल्मिएरी खुद को न्यूयॉर्क के मजदूर वर्ग और प्यूर्टो रिकान इलाकों का राजदूत मानते थे। वह अपने पिता के आइसक्रीम पार्लर में एग क्रीम परोसते हुए बड़े हुए।वर्षों तक उन्होंने आंतरिक राजस्व सेवा को कर देने से इनकार कर दिया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के तीन जवानों की हत्या

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर-पश्चिम में करक के गरागरी इलाके में आज अज्ञात बंदूकधारियों ने गश्त कर रही फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) टीम पर घात लगाकर हमला करके तीन जवानों की हत्या कर दी। जिला पुलिस अधिकारी शहबाज इलाही ने बताया कि एफसी टीम इलाके में संचालित एक गैस कंपनी की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थी। डान अखबार की खबर में इस हमले में चालक समेत चार सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की बात कही गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने हमले की निंदा करते हुए हमलावरों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। गंडापुर ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। राज्यपाल फैसल कुंडी ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दिया गया बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार इससे पहले मंगलवार रात पेशावर में एक अलग घटना में वारसाक रोड पर पुलिस इंस्पेक्टर अली हुसैन समेत तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार तीन मोटरसाइकिलों पर सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने हुसैन की कार पर उस समय गोलीबारी की जब वह अपने दो दोस्तों के साथ यात्रा कर रहे थे। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पाकिस्तान में 2021 के बाद से खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। हालांकि, इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार जून में देश में आतंकवादी हमलों में मामूली कमी देखी गई। इस संगठन ने इस महीने देश भर में 78 आतंकवादी हमले दर्ज किए।

चीन यारलुंग जंग्बो बांध से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार के जल प्रवाह पर नियंत्रण करने में सक्षम हो जाएगा-रिपोर्ट

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने अपनी सीमा के अंदर भारत से मात्र 30 किलोमीटर दूर यारलुंग जंग्बो नदी पर बांध बनाना शुरू कर दिया है। यारलुंग जंग्बो नदी को भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। यारलुंग जंग्बो बांध परियोजना का निर्माण पूरा होने के बाद चीन अंतरराष्ट्रीय सीमा पार के जल प्रवाह पर नियंत्रण करने में पूरी तरह सक्षम हो जाएगा। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर में पांच अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में चीन की जल महत्वाकांक्षा पर चर्चा की गई है। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर की रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना चीन के एक ऐसे जल प्रभुत्व के रूप में उभरेगी जो बीजिंग के रणनीतिक लाभ के लिए कई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार जल प्रवाह में हेरफेर करने में सक्षम होगी।

हालांकि बीजिंग इसे अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन और तिब्बत विकास योजना के हिस्से के रूप में प्रचारित कर रहा है। सच यह है कि यह परियोजना उसके सुनियोजित भू-राजनीतिक आधिपत्य की ओर इशारा करती है। इसका विस्तार ऊर्जा सुरक्षा संबंधी विचार से कहीं आगे तक है।रिपोर्ट के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन कर पूरे दक्षिण एशिया में जल को एक रणनीतिक हथियार में बदलने का संकेत दे चुके हैं। यह परियोजना थ्री गॉर्जेस बांध को पीछे छोड़ते हुए लगभग 70 गीगावाट बिजली का उत्पादन करेगी। चीन ने इस परियोजना पर काम क्षेत्रीय तनाव के दौर में शुरू किया है। चीन वैसे भी तिब्बती पठार पर बसे समुदायों और साथ क्षेत्र के विशाल जल संसाधनों पर नियंत्रण मजबूत करने का दुस्साहस करता रहता है। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर के अनुसार, चीन के इंजीनियर पांच चरणबद्ध विद्युत उत्पादन सुविधा की विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से नदी के प्रवाह को को मोड़ने के लिए नामचा बरवा पर्वतमाला के नीचे 20 किलोमीटर लंबे कई मार्गों पर खुदाई का प्रस्ताव किया है।

प्रधानमंत्री ओली को भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण देने भारत के विदेश सचिव करेंगे काठमांडू का दौरा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भारत भ्रमण का निमंत्रण देने के लिए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री काठमांडू का दौरा करने वाले हैं। नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई के निमंत्रण पर भारत के विदेश सचिव 17 अगस्त को काठमांडू आने वाले हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक विक्रम मिस्री 17-18 अगस्त दो दिनों की यात्रा पर आ रहे हैं। इस भ्रमण के दौरान भारतीय विदेश सचिव नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात कर उन्हें भारत भ्रमण के लिए औपचारिक निमंत्रण सौंपने वाले हैं। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से भेजे गए निमंत्रण पत्र को ओली को सौंपने के साथ ही पिछले एक वर्ष के लंबे इंतजार के बाद यह भ्रमण सुनिश्चित हो जाएगा।

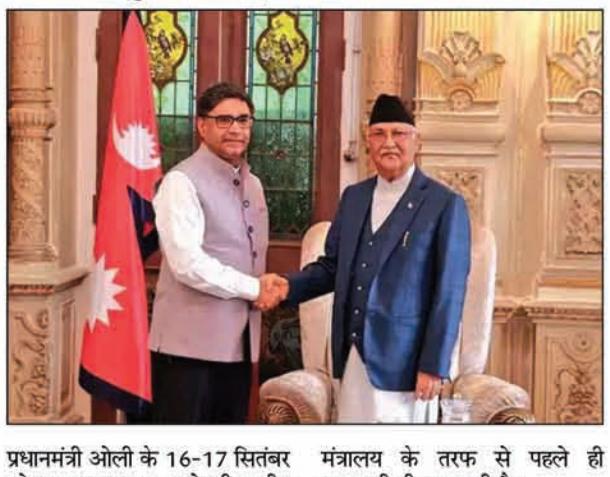

प्रधानमंत्री ओली के 16-17 सितंबर को भारत भ्रमण पर जाने की उम्मीद है। इस बारे में नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय और नेपाल के विदेश मंत्रालय के तरफ से पहले ही जानकारी दी जा चुकी है।

अमेरिकी सैन्य अड्डे पर गोलीबारी, 5 सैनिक घायल

जॉर्जिया। जॉर्जिया के दक्षिण-पूर्व में स्थित फोर्ट स्टीवर्ट सैन्य अड्डे पर गोलीबारी की घटना में पांच सैनिक घायल हो गए हैं। यह जानकारी अड्डे के आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट से मिली है। फोर्ट के एक आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी गई। तीसरे इन्फैंट्री डिवीजन के कमांडिंग जनरल जॉन लुबास के अनुसार, संदिग्ध की पहचान क्वॉर्नेलियस रैडफोर्ड है के रुप में हुई, जो एक स्वचालित लॉजिस्टिक्स सार्जेंट है। रैडफोर्ड ने अपनी निजी बंदूक से अपने साथी सैनिकों पर हमला किया। लुबास ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि यह कोई सैन्य हथियार नहीं था। हमारा मानना है कि यह एक निजी पिस्तौल थी।

उन्होंने आगे कहा, हमें अभी तक मकसद के बारे में पूरी तरह से पता नहीं है, लेकिन सेना के जांचकर्ताओं ने उससे पूछताछ की है और हमें लगता है कि जल्द ही हमें और जानकारी मिलेगी। समाचार एजेंसी के अनुसार, शूटर को पहले स्थानीय स्तर पर नशे में गाड़ी चलाने के लिए गिरफ्तार किया जा चुका है। बेस में सुबह 11:04 बजे (स्थानीय समय) लॉकडाउन लगाया गया और दोपहर में इसे पूरी तरह हटा लिया गया। फोर्ट ने बताया कि घायल सैनिकों का मौके पर इलाज किया गया और फिर विन आर्मी कम्युनिटी हॉस्पिटल ले जाया गया।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के डगमगाने के बीच 60 से अधिक देशों पर ट्रंप का टैरिफ प्रभावी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से महीनों से जारी उठापटक का आर्थिक असर साफ दिख रहा है। देश की डगमगा रही अर्थव्यवस्था के बीच 60 से अधिक देशों और यूरोपीय संघ पर आयात पर राष्ट्रपति की निर्धारित की गई टैरिफ (शुल्क) दर आज से प्रभावी हो गई। इसी के साथ भारत से आयात पर घोषित 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण भी प्रभावी हो गया। सीबीएस न्यूज के अनुसार, व्हाइट हाउस ने कहा कि मध्यरात्रि (पूर्वी समयानुसार) के ठीक बाद से 60 से ज्यादा देशों और यूरोपीय संघ के उत्पादों पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक की टैरिफ दरें लागू हो गईं। यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया के उत्पादों पर 15 प्रतिशत कर लगाया गया है। ताइवान, वियतनाम और बांग्लादेश से आयात पर 20 प्रतिशत कर प्रभावी हो गया। ट्रंप को उम्मीद है कि यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश करेंगे।राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस की इस घोषणा के फौरन बाद ट्रुथ सोशल पर लिखा, आधी रात हो गई है!!! अरबों डॉलर के टैरिफ अब संयुक्त राज्य अमेरिका में आ रहे हैं! व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि भारत को 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश में लगभग 60 देशों के लिए शुल्क दरों की घोषणा की थी। इस 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा ट्रंप ने कल भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर और 25 प्रतिशत शुल्क और लगा दिया। इसके बाद

भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्क में से एक है। यह अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप और व्हाइट हाउस को विश्वास है कि इस टैरिफ की शुरुआत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा के बारे में स्पष्टता प्रदान करेगी। प्रशासन का मानना है कि वह नए निवेश को बढ़ावा दे सकता है। बावजूद इसके अमेरिका को खुद पर लगे जख्मों के संकेत मिल रहे हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में राष्ट्रपति के टैरिफ की प्रारंभिक शुरुआत के साथ अमेरिकी अर्थव्यवस्था में गिरावट आई। इससे बाजार में हलचल मच गई। इसके बाद बातचीत का दौर चला और ट्रम्प ने 07 अगस्त से सार्वभौमिक टैरिफ लागू करने का अंतिम फैसला लिया। डायनेमिक इकोनॉमिक स्ट्रैटेजी के सीईओ जॉन सिल्विया ने कहा कि अप्रैल के बाद आर्थिक रिपोर्टों से पता चला कि भर्तियां रुक गई हैं। मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया और प्रमुख बाजारों में गिरावट शुरू हो गई। सिल्विया ने एक विश्लेषण नोट में कहा, कम उत्पादक अर्थव्यवस्था में कम श्रमिकों की आवश्यकता होती है। लेकिन इससे भी अधिक ऊंची टैरिफ दरें श्रमिकों के वास्तविक वेतन को कम करती हैं। अर्थव्यवस्था कम उत्पादक हो गई है, और कंपनियां पहले जैसा वास्तविक वेतन नहीं दे सकतीं।

जीएसटी धोखाधड़ी मामले में ईडी का तीन राज्यों में 12 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के "फर्जी" वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में छापे मारे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत तीनों राज्यों में 12 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में 12 ठिकानों पर तलाशी ले रहा है। यह मामला फर्जी संस्थाओं और अननिकृत वित्तीय चैनलों से जुड़े बड़े पैमाने पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जांच एजेंसी की यह कार्रवाई शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से शुरू हुई, जिसकी पहचान इस सिंडिकेट के मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में हुई है। मई, 2025 में उसकी गिरफ्तारी के बाद पिछले महीने उसे चार्जशीट किया गया था।

अडानी पावर को बिहार में मिली 2400 मेगावाट की बड़ी बिजली परियोजना

नयी दिल्ली। भारत की प्रमुख विद्युत कंपनी अडानी पावर लिमिटेड को बिहार के भागलपुर जिले में 2400 मेगावाट की एक नई सुपर क्रिटिकल का बिजली परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने बताया कि उसे कड़ी प्रतिस्पर्धा में बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) से बिजली आपूर्ति के लिए आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ है। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और दक्षिण बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) को अडानी पावर की भागलपुर जिले में विकसित होने वाली 2400 मेगावाट की प्रस्तावित नयी ताप विद्युत परियोजना का विकास करेगी और वहां से अनुबंध के अनुसार विद्युत आपूर्ति की जाएगी। बिहार सरकार की वितरण कंपनी वहां पीरपैंती परियोजना से 2274 मेगावाट बिजली लेगी। विज्ञापन में कहा गया है कि कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली निविदा प्रक्रिया में अडानी पावर सबसे कम दर पर बिजली देने की बोली लगाने वाली कंपनी घोषित की गई। कंपनी ने कीमत 6.075 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई थी। अनुबंध के तहत, कंपनी भागलपुर जिले में 3 गुणा 800 मेगावाट क्षमता की अपनी नयी अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्र से बिजली की आपूर्ति करेगी।

चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक और कटौती की उम्मीद: क्रिसिल

नई दिल्ली। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने रेपो दर 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने के रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले का स्वागत करते हुये कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुये चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक बार और कटौती संभव है। आरबीआई ने इस साल लगातार तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत कटौती के बाद आज जारी मौद्रिक नीति बयान में इसे स्थिर रखने की घोषणा की। उसने बताया कि घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है, लेकिन बाहरी कारकों के कारण जोखिम बना हुआ है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मुख्य अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा, हम चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक और कटौती की उम्मीद करते हैं। सौम्य मुद्रास्फीति का परिदृश्य और अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी आयात शुल्क का जोखिम प्रमुख कारक होंगे। केयरएज रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने कहा, आरबीआई का दरों को अपरिवर्तित रखने का निर्णय हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप था। इसके अलावा, बेहतर मानसून, कम मुद्रास्फीति और कम आयकर बोझ जैसे कारक इस वर्ष विकास के लिए सहायक होंगे। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनियों का मानना है कि ग्राहकों के लिए अब भी ऋण की लगात कम है जिससे माँग में तेजी बनी हुई है। सराफ फर्नीचर के संस्थापक और सीईओ रघुनंदन सराफ ने कहा, ÷स्थिर रेपो दर लागू होने के साथ, अब समय आ गया है और यह एक संतुलित गति से होगा।

फियो, अमेजन ने किया ई-कॉमर्स निर्यात क्षमता बढाने का करार

नई दिल्ली। देश में लघु उद्यमियों, कारीगरों, बुनकरों और अन्य उत्पादकों की ऑनलाइन बाजार (ई-कॉमर्स) के माध्यम से विश्व बाजार में कारोबार की क्षमता बढ़ाने में सहयोग के लिए फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) में ऑनलाइन बाजार मंच कंपनी अमेज़न इंडिया के साथ एक समझौता (एमओयू) किया है। इस काम के लिए एक विशेष ई-कॉमर्स निर्यात कार्यबल की स्थापना करेंगे जो इकाइयों को इसके प्रति जागरूकता पैदा करेगा। समझौता ज्ञापन पर यहां फियो के महानिदेशक और सीईओ डॉ. अजय सहाय और अमेजन के उपाध्यक्ष चेतन कृष्णस्वामी ने हस्ताक्षर किए। फियो की एक विज्ञप्ति में डॉ. सहाय के हवाले से कहा गया है कि भारत के एमएसएमई क्षेत्र में वैश्विक व्यापार में योगदान देने की अपार क्षमता है और यह समझौता ज्ञापन एमएसएमई को पारंपरिक निर्यात बाधाओं को दूर करने और प्रतिस्पर्धी वैश्विक खिलाड़ी बनने में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने दोहराया कि सरकार ई-कॉमर्स हब के लिए एक नई योजना भी लेकर आयी है, जिससे देश के समग्र निर्यात को बढ़ावा देने में और मदद मिलेगी। श्री कृष्णस्वामी ने कहा कि इस करार का लक्ष्य 2030 तक ई-कॉमर्स निर्यात 200-300 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

रेनॉल पॉलीकेम की कमजोर शुरुआत से निवेशकों में निराशा, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कलर मास्टरबैच, इंडस्ट्रियल केमिकल्स और प्लास्टिक पिगमेंट्स जैसी चीजों का उत्पादन करने वाली कंपनी रेनॉल पॉलीकेम के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 105 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 99.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा। रेनॉल पॉलीकेम का 25.77 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 जुलाई से 1 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की

ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.83 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 8.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 6.89 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.51 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 24.54 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, अपने पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 7.30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.53 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 5 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के अनुसार इस दौरान कंपनी के कर्ज में उतार-चढ़ाव होता रहा है। कंपनी पर वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में 5.36 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो 2023-24 आखिरी में में गिर कर के 2.58 रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में कंपनी के कर्ज में बढोतरी हो गई और ये उछल कर 6.95 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहले दो महीने अप्रैल और मई 2025 के दौरान कंपनी को 1.14 करोड़ रुपये का लाभ हो चुका है, जबकि इस अवधि में कर्ज घट कर 5.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया है।

भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन में अग्रणी बनने की क्षमताः अनिल अग्रवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र के दिग्गज वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल में कहा है कि भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन में अग्रणी बनने की क्षमता है।

वेदांता लि. के अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने यह बात ऐसे समय कही है जबकि दुनिया भर की सरकारें चीन पर निर्भरता कम करने के प्रयास में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन के लिए सहयोग बढ़ा रही हैं। चीन वर्तमान में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर हावी है। श्री अग्रवाल एक सोशल मीडिया पोस्ट में महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में इस प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा, ऑस्ट्रेलिया से लेकर अमेरिका तक, सरकारें महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही हैं। इस क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को कम करने की होड़ जारी है। उन्होंने कहा किइस वैश्विक होड़ के बीच भारत की विशाल भूगर्भीय संपदा देश को महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करती है। श्री अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

कहा अपने समृद्ध भूगर्भीय संसाधनों के साथ, भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में अग्रणी देश बनने की पूरी क्षमता है।

उन्होंने कहा कि नीतिगत समर्थन, निजी क्षेत्र के निवेश और नवाचार के सही मिश्रण के साथ, भारत में इस उच्च-मूल्य, उच्च-दांव वाले क्षेत्र में एक विश्वसनीय, दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता बनने के लिए सभी आवश्यक तत्व मौजूद हैं।

एयरबस ने जुर्गन वेस्टरमियर को भारत और दक्षिण एशिया का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। यूरोपीय एयरोस्पेस दिग्गज एयरबस ने जुर्गेन वेस्टरमियर को भारत और दक्षिण एशिया क्षेत्र का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। जुर्गेन 1 सितंबर को अपना कार्यभार संभालेंगे और रेमी मैलार्ड का स्थान लेंगे।

कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि अपनी नई भूमिका में जुर्गेन वेस्टरमियर भारत और दक्षिण एशिया में वाणिज्यिक विमान, रक्षा और अंतरिक्ष तथा हेलीकॉप्टरों के क्षेत्र में एयरबस के कारोबार का नेतृत्व करेंगे। उनकी नियुक्त 1 सितंबर से प्रभावी होगी। वे वाणिज्यिक विमानों की बिक्री और इस क्षेत्र में कंपनी के विस्तार के लिए जिम्?मेदार होंगे, जिसमें सेवाएं, इंजीनियरिंग, डिजिटल, नवाचार और प्रशिक्षण शामिल हैं। जुर्गेन वेस्टरमियर इस दृष्टिकोण से जुड़े कंपनी के अभियानों का समर्थन करके एयरबस की मेक इन इंडिया के प्रति प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने में भी मदद करेंगे। कंपनी ने कहा कि 53 वर्षीय जुर्गेन 2020 में एयरबस में मुख्य खरीद अधिकारी का नेतृत्व किया। जुर्गेन ने 1998 में बीएमडब्ल्यू में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने वहां सूचना सेवाओं, मोटरसाइकिल खरीद, गुणवत्ता

के रूप में शामिल हुए, जहां वे एयरबस के सभी विभागों में खरीद के प्रभारी थे। आपूर्तिकर्ताओं के साथ मजबूत साझेदारी बनाते हुए, उन्होंने कंपनी भर में खरीद प्रक्रियाओं और उपकरणों के विकास और अनुप्रयोग प्रबंधन और आपूर्तिकर्ता नेटवर्क और लागत इंजीनियरिंग में रणनीतिक पदों पर कार्य किया। जुर्गेन वेस्टरमियर ने जर्मनी के कार्लजूए विश्वविद्यालय से औद्योगिक इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सेमीकंडक्टर और चिप्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए सभी आयातित सेमीकंडक्टर और चिप्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना की घोषणा की है। ओवल ऑफिस में एप्पल के सीईओ टिम कुक के साथ एक बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिका में आने वाले सभी चिप्स और सेमीकंडक्टर पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। लेकिन अगर आपने (अमेरिका में) निर्माण करने की प्रतिबद्धता जताई है, या अगर आप (अमेरिका में) निर्माण की प्रक्रिया में हैं, जैसा कि कई कंपनियां कर रही हैं, तो कोई टैरिफ नहीं लगेगा। अगर ट्रंप अपनी टैरिफ की धमकी पर अमल करते हैं, तो एप्पल, एनवीडिया और ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) जैसी कंपनियां, जिन्होंने अमेरिकी निवेश में महत्वपूर्ण निवेश का वादा किया है, इस छूट से लाभान्वित हो सकती हैं। इस उपाय का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय तकनीकी कंपनियों को संयुक्त राज्य अमेरिका में विनिर्माण कार्यों को स्थापित करने या विस्तार करने के लिए प्रेरित करना है और इस तरह विदेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता कम करना है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में उत्पादन में बढ़ते निवेश के कारण, एप्पल जैसी कंपनियों को इस छूट का लाभ मिल सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, एप्पल जैसी कंपनियों के लिए अच्छी खबर यह है कि अगर आप अमेरिका में निर्माण कर रहे हैं या बिना किसी सवाल के अमेरिका में निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो कोई शुल्क नहीं लगेगा। 100 प्रतिशत टैरिफ सभी आयातित सेमीकंडक्टर और चिप्स पर लागू होगा, जिससे ताइवान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर के प्रमुख आपूर्तिकर्ता प्रभावित होंगे।

हालांकि, अमेरिकी चिप निर्माण में एप्पल के 100 अरब डॉलर और टीएसएमसी के 165 अरब डॉलर के निवेश के अलावा, एनवीडिया और ग्लोबलफाउंड्रीज ने भी अपने कुछ उत्पादों का निर्माण अमेरिका में करने का वादा किया है।

अमेरिकी सरकार ने 7 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लागू किया है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद का हवाला देते हुए 27 अगस्त से एडिशनल 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि की धमकी दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जवाब दिया कि देश किसानों और मछुआरों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा।

कैश योर ड्राइव मार्केटिंग की शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली । आउटडोर एडवरटाइजिंग और मार्केटिंग सर्विसेज ऑफर करने वाली कंपनी कैश योर ड्राइव मार्केटिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 19.23 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 155 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर के भाव में गिरावट आ गई। सुबह 10-30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 152 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 16.92 प्रतिशत के मुनाफे में हैं। कैश योर ड्राइव मार्केटिंग का 60.79 करोड़ रुपये का आईपीओ

31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 81.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 76.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 135.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 62.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 58.10 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 2.07 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी तकनीकी संवर्धन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 9.22 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 17.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 32 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 142.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के अनुसार इस दौरान कंपनी का कर्ज लगातार कम हुआ है। कंपनी पर वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में 5.06 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो 2023-24 आखिरी में में गिर कर के 45 लाख रुपये के सतर पर और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में 18 लाख रुपये के स्तर पर आ गया।

जियो ने MP-CG में 14 लाख से ज्यादा घरों को हाइ-स्पीड इंटरनेट से जोड़ा

एजेंसी

भोपाल। दुनिया की सबसे बड़ी फिक्सड वायरलेस एक्सेस (FWA) सर्विस प्रोवाइडर कंपनी रिलायंस जियो ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ टेलीकॉम सर्किल में सबसे ज्यादा मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहक जोड़े है। टेलीकॉम रेगुलेट्री अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) की जून 2025 की रिपोर्ट में एक बार फिर जियो ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों को जोड़ा है। जून 2025 में रिलायंस जियो से 4.2 लाख मोबाइल ग्राहक जुड़े है। वहीं, जियो फाइबर और FWA जियो एयर फाइबर ब्रॉडबैंड सर्विस को 46 हजार से ज्यादा ग्राहकों ने अपनाया है। जबकि समान अवधि में एयरटेल के 16 हजार ब्रॉडबैंड ग्राहक बढ़े। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में सभी टेलीकॉम कंपनियों के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 8.1 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। वहीं,फिक्सड वायरलेस एक्सेस (FWA) और वायरलाइन ब्राडबैंड उपभोक्ता 26 लाख से ज्यादा है। इसमें जियो की मोबाइल ग्राहक 4.6 करोड़ और ब्रॉडबैंड ग्राहक 14.4 लाख से कहीं अधिक है। साथ ही मार्केट शेयर पर गौर करें तो मोबाइल उपभोक्ता में बाजार हिस्सेदारी 57 फिसदी और ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा प्रदाता में मार्केट शेयर 54.9 प्रतिशत है। फिक्सड वायरलेस एक्सेस (FWA) को सरल शब्दों में समझे तो घरों व दफ्तरों में उपलब्ध वाई-फाई सर्विस को FWA यानी फिक्सड वायरलेस एक्सेस सर्विस कहा जाता है। JIoAirfiber उच्च गति की इंटरनेट क्नेक्टिविटी प्रदान करता है,इससे उन दुर्गम क्षेत्रों में विशेष तौर पर उपयोगी हो जाता है।जहां फाइबर रोल आउट में समय लग सकता है। इस वजह से JioAirfiber तेज इंटरनेट एक्सेस चाहने वाले ग्राहकों के लिए पसंदीदा विकल्प बन चुका है।

निसान ने मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन भारत में किया लॉन्च, एक्स-शोरूम कीमत 8.30 लाख रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी का प्रीमियम ब्लैक थीम वाला नया निसान मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन लॉन्च किया। कंपनी ने इसकी शुरुआती कीमत (एक्स-शोरूम) 8.30 लाख रुपये रखी है। इसमें आकर्षक ब्लैक इंटीरियर थीम और जापानी शैली से प्रेरित डिजाइन है। एनएमआईपीएल ने जारी एक बयान में कहा कि नई निसान मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन 11,000 रुपये में बुकिंग के लिए उपलब्ध है। ग्राहक अधिकृत निसान मोटर इंडिया डीलरशिप के जरिए या निसान मोटर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट www.nissan.in पर

जाकर अपनी गाड़ी बुक कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि यह लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी का एक आकर्षक और प्रीमियम, ब्लैक थीम वाला संस्करण है। ये कार 8.30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) से शुरू होने वाली इस कुरो स्पेशल एडिशन में सबसे बोल्ड ब्लैक फिलॉसफी, सबसे बोल्ड स्टाइलिंग, आकर्षक इंटीरियर ब्लैक थीम और जापानी-प्रेरित डिजाइन का समावेश है। एनएमआईपीएल ने कहा कि मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन का नाम जापानी शब्द 'ब्लैक' से लिया गया है, जो परिष्कार और जापानी डिजाइन की सटीकता की एक उन्नत भावना का प्रतीक है। ये स्पेशल एडिशन एक अनूठी विजुअल पहचान प्रदान करता है, जिसमें ऑल-ब्लैक एक्सटीरियर और इंटीरियर है, जो बाहर और अंदर दोनों जगह इसे प्रीमियम, प्रभावशाली और स्टाइलिश लुक देता है। कंपनी ने बताया कि ग्राहकों के अनुभव और सुविधा को बेहतर बनाने के लिए मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन निसान के वेबसाइट पर एक प्रभावशाली 3ष्ठ कॉन्फिगरेटर के जरिए उपलब्ध है, जिसमें फोटोरियलिस्टिक विजुअल्स, फ़ीचर इंटरैक्शन और एंड-टू-एंड जर्नी शामिल है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। यह पहले लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ से अतिरिक्त होगा। इस तरह भारत पर अब 50 फीसदी टैरिफ होगा।

भारत के साथ व्यापार तनाव को और तेज करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे यह बढ़कर कुल 50 फीसदी हो गया है। इससे पहले 30 जुलाई को ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था

कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है। उन्होंने घोषणा की थी कि वह अगले 24 घंटों में नई दिल्ली पर टैरिफ काफी हद तक बढ़ा देंगे क्योंकि वह रूस से तेल खरीद रहा है। ट्रंप की ओर से साइन किए गए आदेश के मुताबिक यह टैरिफ 21 दिनों के भीतर प्रभाव में आएगा, जो 27 अगस्त, 2025 से भारत से अमेरिका को भेजे जाने वाले सामानों पर लागू होगा। हालांकि, जो वस्तुएं इस तारीख से पहले रवाना हो चुकी होंगी, वो 17 सितंबर 2025 से पहले अमेरिका पहुंच जाएंगी, उन्हें इस शुल्क से छूट मिलेगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह टैरिफ अन्य सभी शुल्कों और टैक्स के अतिरिक होगा, जबकि कुछ खास मामलों में छूट भी दी जा सकती है।

दावा निपटान प्रक्रिया के मानकीकरण का एसबीआई ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष सी.एस. सेट्टी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को स्थिर रखने के फैसले को 'अपेक्षित' बताते हुये जमा खाता और बैंक लॉकर के ग्राहकों की मृत्यु की स्थिति में नॉमिनी के दावा निपटान की प्रक्रिया के मानकीकरण के स्वागत योग्य कदम बताया है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन चली बैठक के बाद रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने की घोषणा की। साथ ही उसने कहा है कि जमा खातों और बैंक लॉकर के ग्राहकों की मृत्यु की स्थिति में परिवार के सदस्यों/नॉमिनी के दावे के निपटान के लिए हर बैंक में अलग-अलग प्रक्रिया है। केंद्रीय बैंक इन प्रक्रियों और जरूरी दस्तावेजों की सूची में एकरूपता लाने के लिए जल्द ही मानक नियमों का प्रारूप जारी करेगा।श्री सेट्टी ने आरबीआई के फैसलों पर कहा कि ब्याज दरों को यथावत रखने का एमपीसी का निर्णय अधिकांशतः 'अपेक्षित आधार पर' था, जो नीतिगत, व्यापार संबंधी धीमी प्रतिक्रिया और कुछ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति के निम्नतम स्तर से उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच निहित था। वित्त वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति 3.1 प्रतिशत पर नियंत्रण में रहने की संभावना है, और बाहरी मांग तथा आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बावजूद विकास की गति बरकरार रहने की उम्मीद है। एसबीआई अध्यक्ष ने कहा कि नियामक और विकास नीति के संदर्भ में मृतक ग्राहकों के मामले में दावों के निपटान के लिए दस्तावेजीकरण के मानकीकरण पर प्रस्तावित दिशा-निर्देश एक स्वागत योग्य कदम है।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 100 रुपये से 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये से लेकर 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 93,810 रुपये से लेकर 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,16,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मोरक्को में मारे जाएंगे 30 लाख कुत्ते? भड़क गईं जान्हवी कपूर कही ये बात

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस जान्हवी कपूर का डॉग्स के प्रति प्यार किसी से छिपा नहीं है. बेजुबान जानवरों पर एक्ट्रेस काफी प्यार लुटाती हैं. वहीं जब मोरक्को में 30 लाख कुत्तों को मारे जाने की खबर के बारे में जान्हवी को पता चला तो उनका भी दिल पसीज गया. CNN स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक मोरक्को में 3 मिलियन से ज्यादा कुत्तों की हत्या की योजना बनाई गई है. ऐसा 2030 के फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए किया जाएगा.इस साल की शुरुआत में भी इस तरह की खबरों ने तूल पकड़ा था और अब एक बार फिर से ये खबरें सुर्खियों में बनी हुई है. बताया जा रहा है कि इसके खिलाफ मोरक्को के एनिमल वेलफेयर ग्रुप्स ने भी आवाज उठाई है. वहीं अब जान्हवी ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रया दी है. उन्होंने कहा कि कुत्तों की हत्या करने की बजाय उनके लिए दूसरा तरीका अपनाया जाना चाहिए.

30 लाख कुत्तों की मौत की खबर पर क्या बोलीं जान्हवी ?

जान्हवी कपूर ने मोरक्को में 30 लाख कुत्तों को मारे जाने की प्लानिंग का विरोध किया है. एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खबर का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, ये सच नहीं हो सकता है. आवारा पशुओं के पुनर्वास के लिए कई तरीके हैं. सफाई उन सभी को मारकर ? अपराधी.

क्यों की जाएगी 30 लाख कुत्तों की हत्या ?

मोरक्को, स्पेन और पुर्तगाल के साथ मिलकर साल 2030 का फुटबॉल वर्ल्ड कप (FIFA) का आयोजन करेगा. दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल के वर्ल्ड कप के लिए मोरक्को बड़े पैमाने पर तैयारी करेगा और वो इसके लिए अपनी सड़कों को डॉग्स फ्री बनाना चाहता है. हालांकि रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि इस आयोजन के लिए मोरक्को में 30 लाख कुत्ते मारे जाएंगे. इस ऐलान के बाद से मोरक्को के फैसले का दुनियाभर में विरोध किया गया था.

क्यों की जाएगी 30 लाख कुत्तों की हत्या ?

मोरक्को, स्पेन और पुर्तगाल के साथ मिलकर साल 2030 का फुटबॉल वर्ल्ड कप (FIFA) का आयोजन करेगा. दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल के वर्ल्ड कप के लिए मोरक्को बड़े पैमाने पर तैयारी करेगा और वो इसके लिए अपनी सड़कों को डॉग्स फ्री बनाना चाहता है. हालांकि रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि इस आयोजन के लिए मोरक्को में 30 लाख कुत्ते मारे जाएंगे. इस ऐलान के बाद से मोरक्को के फैसले का दुनियाभर में विरोध किया गया था.

'तारक मेहता' के शैलेश लोढ़ा और 'सोढ़ी' होंगे शो का हिस्सा, अनुपमा स्टार भी दिखेगा! देखें लिस्ट

दर्शकों का चहेता शो 'बिग बॉस 19' अपनी दमदार वापसी के लिए तैयार है. सलमान खान के इस शो में इस बार कौन-कौन से चेहरे नजर आएंगे, इस पर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बिग बॉस 19 के लिए कुछ बड़े नाम लगभग फाइनल हो चुके हैं. इनमें 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के दो पूर्व कलाकार, फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और टीवी के पॉपुलर एक्टर्स शामिल हैं.शो के फॉर्मेट की बात करें तो 'बिग बॉस 19' पांच महीने तक चलेगा. इसमें शुरुआत में 15 कंटेस्टेंट्स की एंट्री होगी और बाद में तीन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट्स भी शामिल हो सकते हैं. ये शो सबसे पहले जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा, जिसके 90 मिनट बाद कलर्स टीवी पर ये शो ऑन एयर होगा.

शो में नजर आ सकते हैं 'रोशन सोढ़ी'

बिग बॉस के मेकर्स इस साल 'तारक मेहताज' के कई एक्टर्स से संपर्क किया गया है. इन में शो में 'तारक मेहता' का किरदार निभा चुके एक्टर शैलेश लोढ़ा और गुरुचरण सिंह (रोशन सिंह सोढ़ी) दोनों के नाम शामिल हैं. गुरुचरण का नाम तो लगभग कंफर्म माना जा रहा है. वहीं, शैलेश लोढ़ा ने पहले शो में जाने से इनकार किया था, लेकिन अब माना जा रहा है कि उनका मन बदल गया है.

शो में नजर आएंगे कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर

बिग बॉस में शामिल होने में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की लंबी लिस्ट भी सामने आई है. इनमें से फेमस गेमर पायल धारे (Payal Gamingg), मिस्टर फैजू, क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की एक्स-वाइफ धनाश्री वर्मा और अपूर्वा मुखीजा के नाम शो के लिए लगभग फाइनल बताए जा रहे हैं. ये सभी अपनी-अपनी फील्ड में काफी चर्चित हैं.

अनुपमा के 'अनुज' भी हो सकते हैं शो का हिस्सा

बिग बॉस में शामिल होने वाले बाकी कंटेस्टेंट में इंडियन आइडल विनर श्रीराम चंद्र, 'अनुपमा' फेम गौरव खन्ना, एक्ट्रेस हुनर गांधी और म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक के नाम भी शामिल हैं. श्रीराम चंद्र और हुनर गांधी का नाम भी कंफर्म माना जा रहा है. अमाल मलिक ने भी उनसे जुड़े कुछ विवादों के बाद शो में आने में दिलचस्पी दिखाई है. लेकिन गौरव खन्ना और अमाल मलिक से अभी भी बातचीत चल रही है, कहा जा रहा है कि ये दोनों भी जल्द ही शो में शामिल होने के लिए हां कर देंगे.

वो शैतान है, उसको जलाएंगे, खत्म कर देंगे...बेटे के सामने भारती सिंह ने जला दी लाबूबू डॉल

समय-समय पर देश दुनिया में कोई न कोई ट्रेंड सोशल मीडिया पर काफी वायरल होता है और इसे लोग काफी अपनाते हैं. बीते कुछ दिनों से दुनियाभर में Labubu Doll ट्रेंड में है. हाल ही में दुनियाभर के कई सेलिब्रिटी की ये डॉल पसंदीदा बनी. वहीं भारत की मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह भी ये डॉल अपने बेटे गोला के लिए खरीदकर लाई थी. लेकिन, अब उन्होंने इसे जलाकर खाक कर दिया है.

कई विदेशी कलाकारों ने हाल ही में लाबूबू डॉल को फ्लॉन्ट किया था. वहीं भारत में शरवरी वाघ, अनन्या पांडे और उर्वशी रौतेला जैसी हसीनाएं भी पिछले दिनों अपनी लाबूबू डॉल फ्लॉन्ट करती नजर आई. जबकि भारती सिंह ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई. हालांकि अब उन्होंने इसे ये कहते हुए जला दिया कि इसकी वजह से निगेटिव असर पड़ता है और उनके बेटे के व्यवहार में भी बदलाव आया है.

लाबूबू डॉल से भारती के बेटे में बढ़ा चिड़चिड़ापन

भारती सिंह यूट्यूब चैनल भी चलाती हैं और वो अक्सर ही इस पर व्लॉग अपलोड करती हैं. उन्होंने हाल ही में एक व्लॉग अपलोड किया था जिसमें वो बेटे की लाबूबू गुड़िया को जलाती हुई नजर आ रही हैं. वीडियो में वो अपने बेटे से कह रही हैं, आज देखना तुम्हारे जो चिड़चिड़ेपन की और शरारतीपन की वजह है ना लाबूबू, आज उसको मैं जला दूंगी, तोड़ दूंगी.फिर गोला ने कहा, वो मेरा फ्रेंड है. इस पर भारती ने कहा, वो शैतान है. आज उसको जलाएंगे, खत्म कर देंगे.

भारती ने जलाकर खाक की लाबूबू डॉल

वीडियो में भारती ने ये भी कहा कि उनके करीबी और रिश्तेदारों ने बताया कि ये गुड़िया बहुत ही ज्यादा डरावनी और शैतान है. भारती का भी ये ही मानना है. इसके बाद भारती माचिस की मदद से डॉल में आग लगाती है, हालांकि पहले डॉल जलती नहीं है. लेकिन, जल्द ही वो जलकर खाक हो जाती है.भारती का बेटा भारती को पहले डॉल को जलाने से रोकता भी है, लेकिन कॉमेडियन नहीं मानती है. वो कहती हैं कि आज इसका खात्मा ही करेंगे. भारती के पति हर्ष लिंबाचिया भी उन्हें ऐसा करने के लिए मना करते हैं. लेकिन, वो पति की बात भी नहीं सुनती हैं. गुड़िया के जलने के बाद भारती ने कहा, सबने कहा था वो एक शैतान है, उसे घर से निकाल दो, जला दो.

करीना-करिश्मा और रणबीर कपूर में कौन है ज्यादा अमीर, किस कपूर ने कमाए सबसे ज्यादा पैसे?

पृथ्वीराज कपूर की विरासत को बॉलीवुड में उनके बेटे राज कपूर ने बेहद अच्छे से आगे बढ़ाया था. उन्होंने बतौर एक्टर और डायरेक्टर काम किया और बॉलीवुड के 'शोमैन' कहलाए. फिर राज कपूर की विरासत को उनके बेटों रणधीर कपूर और ऋषि कपूर ने आगे बढ़ाया. इनमें ऋषि कपूर काफी सफल रहे और सुपरस्टार बनने में कामयाब हुए. वहीं इसके बाद हिंदी सिनेमा में ऋषि और रणधीर के बच्चों करिश्मा कपूर, करीना कपूर और रणबीर कपूर ने बड़ा नाम कमाया.

करीना कपूर खान और करिश्मा कपूर अभिनेता रणधीर कपूर और बबीता की बेटियां हैं. वहीं रणबीर कपूर दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे हैं. तीनों भाई-बहन बॉलीवुड में अच्छी खासी पहचान बना चुके हैं. लेकिन, क्या आप ये जानते हैं कि तीनों में से आखिर कौन सबसे ज्यादा अमीर है ? तीनों में से किसने सबसे ज्यादा पैसे कमाए हैं ?

करिश्मा कपूर नेटवर्थ

रणधीर कपूर की बड़ी बेटी करिश्मा कपूर ने बॉलीवुड में साल 1991 में आई फिल्म 'प्रेम कैदी' से डेब्यू किया था. तब एक्ट्रेस 16 साल की थीं. बॉलीवुड में उन्होंने 90 के दशक में खास और बड़ा नाम कमाया है.

वो लंबे वक्त से एक्टिंग से दूर हैं, हालांकि 90 के दशक में उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं. करिश्मा की नेटवर्थ की बात करें तो एक्ट्रेस करीब 120 करोड़ रुपये की मालकिन हैं.

रणबीर कपूर नेटवर्थ

ऋषि कपूर और नीतू कपूर के बेटे रणबीर कपूर ने माता-पिता की राह पर चलते हुए साल 2007 में आई संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सावरिया' से डेब्यू किया था. इसके बाद उन्होंने 'संजू', 'ये जवानी है दीवानी', 'ए दिल है मुश्किल', 'बर्फी', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'एनिमल' जैसी बेहतरीन फिल्मों से सुपरस्टार का टैग हासिल किया. अभिनेता ने अपने 18 साल के करियर में करीब 350 करोड़ की नेटवर्थ बनाई है.

करीना कपूर खान नेटवर्थ

करीना कपूर खान भी करिश्मा और रणबीर की तरह नाम कमाने में कामयाब हुई हैं. उन्होंने एक्टिंग डेब्यू साल 2000 की फिल्म 'रिफ्यूजी' से किया था.

25 साल के करियर में उन्होंने 'कभी खुशी कभी गम', 'क्रू', 'गुड न्यूज', 'बजरंगी भाईजान', 'सिंघम रिटर्न्स', 'बॉडीगार्ड', 'गोलमाल 3' जैसी शानदार फिल्मों में काम किया है. करीना, करिश्मा और रणबीर से ज्यादा अमीर हैं. उनकी नेटवर्थ 550 करोड़ रुपये है.

इनर व्हील क्लब पठानकोट ग्रेटर एवं नूरपुर द्वारा महिला तीज पर्व का संयुक्त आयोजन

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

पंजाब प्रांत के इनर व्हील क्लब पठानकोट ग्रेटर एवं हिमाचल प्रदेश के इनर व्हील क्लब नूरपुर द्वारा महिलाओं के द्वारा महिला तीज पर्व का दोनों राज्यों की क्लब महिलाओं ने संयुक्त रूप से बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब की अध्यक्षा प्रभजीत कोर और हिमाचल प्रदेश की अध्यक्षा नीति महाजन के नेतृत्व में तीज पर्व का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं की पारंपरिक उत्सव और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए यह एक सराहनीय कदम बताया गया। दोनों राज्यों के इनर व्हील क्लब पठानकोट एवं नूरपुर के इस आयोजन का उद्देश्य नारी शक्ति को जागरूक करना तथा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित करना था। अध्यक्षाओं ने इस अवसर पर कहा कि तीज पर्व और मेले हमारे समाज की सांस्कृतिक धरोहर हैं, जो हमें पूर्वजों से मिली है। इसे बनाए रखना और संरक्षित करना हमारी महिलाओं की जिम्मेदारी है। इस कार्यक्रम के दौरान क्लब की महिलाओं द्वारा अनेक सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। ऐसे आयोजनों से दोनों राज्यों के इनर व्हील क्लब महिलाओं को जागरूक करने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा का संदेश देते हुए नारी शक्ति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति का समाज के उत्थान में हमेशा से और भविष्य में भी सबसे बड़ा योगदान रहेगा। कार्यक्रम में सन्नी क्रिएशन की सोनिया महाजन, जो कि चार्टर्ड प्रेसिडेंट नूरपुर हैं, ने होस्ट के रूप में भाग लिया। साथ ही नूरपुर क्लब की सदस्या दीपिका, राधा, मधु, स्नेह, तमन्ना, कामिनी, अर्पण, सीमा आदि उपस्थित रहीं।

आई टी आई बैजनाथ में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाई गई

दिव्य दिल्ली : शशि भुसन (बैजनाथ)

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बैजनाथ की प्रधानाचार्या रीता शर्मा ने बताया कि संस्थान में प्रवेश के द्वितीय चरण के आधार पर 01अगस्त 2025 को जिन अभ्यर्थियों की संस्थान में प्रवेश हेतु सूची जारी की गई थी उन्हें आवंटित प्रशिक्षण संस्थानों में 08 अगस्त तक प्रवेश करना निर्धारित किया गया था।उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हिमाचल प्रदेश के निदेर्शानुसार भारी बारिश एवं परिवहन में आ रही बाधाओं के चलते अभ्यर्थियों के लिए संस्थान में प्रवेश की अंतिम तिथि को 08 अगस्त से बढ़ाकर 12 अगस्त, 2025 कर दिया गया है। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे 12 अगस्त तक संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

न्यूज फ्लैश

भोटा में एचआरटीसी बस के नीचे आई स्कूटी, दुर्घटना में मां बेटी गंभीर रूप से घायल

दिव्य दिल्ली : हमीरपुर

पुलिस चौकी भोटा के अंतर्गत देर शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-103 पर भोटा चौक के समीप एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब परिवहन निगम की बस के नीचे एक स्कूटी आ गई। यह घटना शाम करीब 7 बजे हुई। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, निगम की बस दिल्ली से हमीरपुर आ रही थी, जबकि स्कूटी सवार महिला नीलम देवी पत्नी नरेश कुमार, अपनी आठ वर्षीय बेटी कोमल देवी के साथ भोटा से सिद्धपुर की ओर जा रही थी। जैसे ही नीलम ने राधा स्वामी सत्संग घर के पास स्कूटी को सिद्धपुर की ओर मोड़ा, वह सामने से तेज रफ्तार में आ रही बस से टकरा गई। टक्कर के बाद स्कूटी स्किड होकर बस के नीचे जा घुसी, जिससे नीलम देवी और उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। बेहोशी की हालत में दोनों को राधा स्वामी चैरिटेबल अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज हमीरपुर रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही भोटा पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। एसपी हमीरपुर भगत सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और मामले की जांच जारी है।

स्वां वुमन फेडरेशन ने मंडी बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी

दिव्य दिल्ली : ऊना (ज्योति स्याल)

ऊना। जिले के सबसे बड़े संगठन स्वां वुमन फेडरेशन द्वारा आज मंडी जिला के बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए राहत सामग्री से भरे एक वाहन को ऊना जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। फेडरेशन की चेयरपर्सन सुभद्रा रानी ने बताया कि ऊना जिले की 112 पंचायतों में अब तक संस्था द्वारा 1,015 स्वयं सहायता समूह गठित किए जा चुके हैं, जिनसे लगभग 15,000 ग्रामीण महिलाएं सीधे तौर पर जुड़ी हैं। हर वर्ष लगभग 100 नए समूह भी बनाए जा रहे हैं। वाइस चेयरपर्सन मीनू राणा ने बताया कि संस्था के माध्यम से महिलाएं आय सृजन, कृषि, मसाला प्रसंस्करण, पशुपालन, नशा उन्मूलन और लघु बचत योजनाओं से जुड़ी हैं। संस्था एक महिला सहकारी सभा का संचालन भी कर रही है, जिसकी कार्य पूंजी वर्तमान में लगभग 18 करोड़ रुपये है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अब तक लगभग 1 करोड़ 40 लाख रुपये के ऋण आसान ब्याज दर पर उपलब्ध करवाए गए हैं। फेडरेशन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण है और आज यह संस्था बाढ़ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। राहत सामग्री में 500 स्कूली बच्चों के लिए एक-एक बैग, 6-6 कॉपियां, पेन व पेंसिल शामिल हैं। इस अवसर पर सीईओ डॉ. आर. के. डोगरा, सलाहकार सतीश शर्मा, छिंदर पाल, मीनू राणा, स्नेह डोगरा, राजेश शर्मा और कार्यकारी अधिकारी ऋतु शर्मा उपस्थित रहे।

सरकारी भूमि पर नजायज कब्जा धारियों पर मजबूरी और मंशा के आधार पर हो कार्यवाही

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

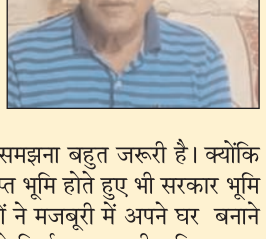

पूर्व पंचायत समिति सदस्य एवं वर्तमान उपप्रधान पंचायत डोल भटहेड़ साधू राम राणा ने हाल ही में माननीय न्यायालय द्वारा सरकारी भूमि पर नजायज कब्जों को हटाने केलिए जारी दिशा निर्देश पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि माननीय न्यायालय के आदेशों पर कार्रवाई करने से पूर्व सरकार को नजायज कब्जाधारी की मजबूरी और मंशा को समझना बहुत जरूरी है। क्योंकि कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा अपनी प्रयाप्त भूमि होते हुए भी सरकार भूमि पर कब्जे कर रखे हैं जबकि कुछ लोगों ने मजबूरी में अपने घर बनाने और रोजी रोटी कमाने केलिए छोटे मोटे निर्माण सरकारी भूमि पर कर रखे हैं। अतः जिन लोगों ने बिना किसी मजबूरी के केवल सरकारी जमीन हड़पने की मंशा से नजायज कब्जे किए हुए हैं।

खाश्रय योजना के तहत कांगड़ा जिला में खर्च किए दस करोड़ रुपए: डीसी

दिव्य दिल्ली : शशि भुसन (कांगड़ा)

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी सुखाश्रय योजना के तहत कांगड़ा जिला में दस करोड़ की राशि व्यय करके 1241 निराश्रित बच्चों को संबल प्रदान किया गया है।शुक्रवार को डीसी कार्यालय में सुखाश्रय योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि व्यवसायिक प्रशिक्षण के लिए 158 बच्चों को 41 लाख 19 हजार, कोचिंग के लिए तीन बच्चों को एक लाख 68 हजार, विवाह अनुदान के तौर पर अस्सी बच्चों को एक करोड़ 59 लाख, गृह निर्माण के लिए 122 बच्चों को एक करोड़ 22 लाख तथा सामाजिक सुरक्षा के तहत 878 बच्चों को छह करोड़ 55 लाख की राशि प्रदान की गई है। बैठक में उच्च शिक्षा व्यवसायिक प्रशिक्षण, विवाह अनुदान, गृह निर्माण तथा स्टार्ट अप के 58 लाख के 37 नए मामले भी स्वीकृत किए गए।उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि 18 से 27 आयु वर्ग के निराश्रित बच्चों को व्यवसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और कोचिंग के साथ साथ समाज के सक्रिय सदस्य बनने में मदद करने के लिए वित्तीय और संस्थागत लाभ प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि जमा दो की कक्षा उत्तीर्ण कर चुके निराश्रित बच्चों को कोचिंग के लिए एक लाख रुपए की आर्थिक मदद का प्रावधान किया गया है तथा स्किल डिवल्पमेंट तथा वोकेशनल कोर्स के लिए सरकार द्वारा पढ़ाई तथा हॉस्टल का खर्चा वहन किया जाएगा। उन्होंने उद्योग विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निराश्रित बच्चे अगर स्टार्ट अप आरंभ करना चाहते हैं उनकी रिपोर्ट बनाने में हर संभव मदद करें ताकि स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकें।उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि निराश्रित बच्चों की स्किल डिवल्मेंट के लिए काउंसलिंग करने के लिए कारगर कदम उठाए जाएंगे इस के लिए आईसीडीएस के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए ताकि कौशल विकास के माध्यम से निराश्रित बच्चों का कैरियर बेहतर बन सके। उन्होंने कहा कि 27 वर्ष आयु से पहले हुए अनाथ बच्चों के भूमिहीन होने पर तीन विस्वा भूमि प्रदान करने का प्रावधान है इसके साथ ही आवास सुविधा के लिए तीन लाख के अनुदान का भी प्रावधान है।

जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग मुकाबलो के अंतिम दिन खिलाड़ियों ने जी जान लगाई

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

जिला शिक्षा विभाग की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी सेकेंडरी राजेश कुमार और जिला खेल कोऑर्डिनेटर अरुण कुमार की देखरेख में 12वीं जिला खेल मुकाबले के तहत प्रेजेंटेशन पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय किक बाकसिंग के लड़के लड़कियो के अंडर 14,17 और 19 वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए मुकाबलो के अंतिम दिन हल्का इंचार्ज अमित सिंह मंटू मुख्य अतिथि के तौर पर और जिला खेल कोऑर्डिनेटर अरुण कुमार,स्कूल के चेयरमैन दविंद्र पाल शर्मा, चेयरपरसन रेनु शर्मा, जगबीर सिंह संधू, उप चेयरपरसन निवेदिता संधू, प्रिंसिपल रविंद्र कौर, विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए अतिथियों की और से दीप प्रजवलित करके मुकाबलो की शुरआत की गईं उपरन्त अतिथियों की और से खिलाड़ियों के साथ परिचय कर खिलाड़ियों को जी जान से खेलने के. लिए प्रेरित किया जिला खेल कोऑर्डिनेटर अरुण कुमार ने बताया कि किक बाकसिंग मुकाबलो में 35 किलोग्राम वर्ग में पी पी एस की दिव्यांशी ने पहला, वी पी एस के जोइल ने दूसरा, एम एस एस की अनन्या नर तीसरा, 40 किलोग्राम में गायत्री शाहपुरकंडी ने पहला, सिया धोबड़ा ने दूसरा, जानवी कोंतरपुर ने तीसरा, 45 किलोग्राम वर्ग में पी पी एस की जानवी ने पहला, अरविता कोंतरपुर ने दूसरा, एम एस एस की छवि ने तीसरा, 50 किलोग्राम वर्ग में जे एम के की निहारिका ने पहला सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल घोह की तनीषा ने दूसरा, सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल की तनीषा ने तीसरा स्थान हासिल. किया अंत में विजेताओं व अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया इस अवसर पर इंचार्ज मंदीप सिंह, संदीप कुमार, तन्वी, कार्तिक, राघव, अनीता, उषा, जीनीफ,काजल इत्यादि उपस्थित थे

प्रेम कुमार धूमल ने रक्षाबंधन पर महिलाओं को दिया 50% आरक्षण का तोहफा

दिव्य दिल्ली : हमीरपुर (सुमित राठौर)

भाजपा महिला मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष अर्चना चौहान ने जारी बयान में कहा कि परिवहन विभाग ने 9 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन महिलाओं और छात्राओं के लिए बाहरी राज्य पथ परिवहन निगम की सिटी सर्विस बसों में निःशुल्क यात्रा की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राजनीति अगर संवेदनशील हो, तो वह केवल नीतियों और घोषणाओं का खेल नहीं रहती, बल्कि रिश्तों, भावनाओं और समाज के मान-सम्मान का प्रतीक बन जाती है। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने अपने कार्यकाल में एक ऐसा ही फैसला लेकर यह साबित किया कि नेतृत्व का असली चेहरा केवल प्रशासन नहीं, बल्कि समाज की आत्मा से जुड़ा होता है। अर्चना चौहान ने बताया कि धूमल ने रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व के अवसर पर महिलाओं को राज्य परिवहन की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा देकर एक ऐसी परंपरा की शुरूआत की, जो राजनीति नहीं बल्कि रिश्तों का उपहार बन गई। साथ ही उन्होंने कहा कि हिमाचल में जब भाजपा की सरकार थी और धूमल खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने पंचायती राज लोकतंत्र की प्रणाली में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया था। उन्होंने बताया कि केंद्र की मोदी सरकार ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर कीर्तिमान स्थापित किया है, जो देशभर की महिलाओं के लिए गौरव की बात है।

नूरपुर में फोरलेन निर्माण बना सिरदर्द, बारिश में कीचड़ से बढ़ी मुसीबत

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

नूरपुर शहर के चौगान क्षेत्र में बन रहे राष्ट्रीय उच्च मार्ग (फोरलेन) के चलते बारिश के दिनों में मिट्टी और मलबा स्थानीय लोगों के लिए सिरदर्द बन गया है। वार्ड नंबर 3 के प्रवेश द्वार और पास की किराना दुकानों के सामने यह कीचड़ एक ब्लैक स्पॉट का रूप ले चुका है। बरसात में यहां से गुजरना लोगों के लिए जोखिम भरा हो गया है। पठानकोट-मंडी फोरलेन प्रोजेक्ट का कंडवाल से भाली तक करीब 37 किलोमीटर लंबा हिस्सा छह साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन आज भी इसका बड़ा भाग अधूरा है। कुछ हिस्से पक्के हो चुके हैं, जबकि बाकी हिस्सों की हालत खराब है।

चक्की रेल पुल का निर्माण अंतिम चरण में, जल्द दौड़ेगी कांगड़ा घाटी की ट्रेन

दिव्य दिल्ली :नूरपुर (विनय महाजन)

पंजाब और हिमाचल को जोड़ने वाला बहुचर्चित चक्की रेल पुल अब अपने निर्माण के अंतिम चरण में है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी दो से तीन महीनों के भीतर इस पुल पर ट्रेन दौड़ सकती है, जिससे कांगड़ा घाटी रेल मार्ग पर रेल सेवा पुनः बहाल होगी। इससे न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि हिमाचल प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि अगस्त 2022 में चक्की खड्ड में आई बाढ़ के कारण पुराना रेलवे पुल बह गया था, जिससे पठानकोट से हिमाचल आने-जाने वाली रेल सेवाएं बाधित हो गई थीं। केंद्र सरकार ने तत्परता दिखाते हुए करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से नए पुल के निर्माण की स्वीकृति दी। निर्माण कार्य तेजी से जारी है और संबंधित एजेंसियां इसे शीघ्र पूर्ण करने में जुटी हुई हैं। कांगड़ा-चंबा लोकसभा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने जानकारी दी कि पुल का निर्माण जल्द पूरा होने की संभावना है और कांगड़ा घाटी रेल सेवा में दो एसी डिब्बे जोड़ने की योजना भी बनाई गई है, ताकि पर्यटक इस रेल यात्रा की ओर आकर्षित हो सकें।

सदर बाजार नाला रोड के व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर एक बैठक की

दिव्य दिल्ली :सदर बाजार की विभिन्न मार्केट में व्यापारी लगातार कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसी सिलसिले में सदर बाजार नाला रोड के व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर एक बैठक की। इस बैठक में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, वाइस चेयरमैन पवन खंडेलवाल, कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह, महासचिव कमल कुमार, कोषाध्यक्ष दीपक मित्तल, वरिंदर सिंह, राजेश जी सहित अन्य व्यापारी नेता उपस्थित थे। बैठक में सदन नाला रोड व्यापार मंडल के नफीस अहमद, कमल कपूर, राजेश जेसवानी, महेंद्र गुप्ता, सतपाल, जीतू, परमेश गर्ग, महेंद्र सेठी, पंकज, अजय भाटिया ने अपनी समस्याएं बताईं। उन्होंने मुख्य रूप से बताया कि सड़क तीन महीने से टूटी पड़ी है, जिससे आवागमन में भारी दिक्कत होती है। साथ ही नाला रोड पर और डिस्पेंसरी के पास दो टॉयलेट हैं, जो इतने खराब हालात में हैं कि सारा दिन गंदा पानी सड़क पर बहता रहता है, जिससे महिलाओं का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सिविल लाइन ओवरफ्लो हो जाते हैं और पहाड़ी धीरज का पानी भी इसी क्षेत्र से गुजरता है, जो बारिश में और भी बुरा हो जाता है। पूरे इलाके में सुबह-शाम गटर का पानी, जिसमें लैट्रिन और पेशाब शामिल है, सड़क पर बहता रहता है। व्यापारी राजेश जेसवानी ने बताया कि आवारा पशुओं के कारण कई बार व्यापारी चोटिल भी हो चुके हैं, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों ने यह भी कहा कि यहां आपराधिक घटनाएं भी आए दिन होती रहती हैं, जिससे व्यापारी भयभीत रहते हैं। इस पर परमजीत सिंह पम्मा और राकेश यादव ने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही इन समस्याओं को दिल्ली सरकार के मंत्री, दिल्ली नगर निगम के मेयर और स्थानीय सांसद प्रवीण खंडेलवाल से मिलकर उठाएंगे, ताकि जल्द से जल्द समाधान हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों का व्यापारियों के हित में काम न करना बहुत दुखद है, जिसके कारण सदर बाजार की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

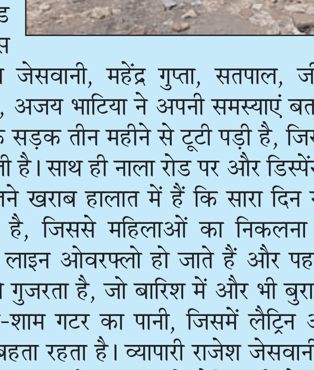

बुंगल के वार्ड -04 में कम बिजली वोल्टेज की समस्या खत्म 63 की जगह 100 केवी का लगाया ट्रांसफार्मर

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पठानकोट के ब्लॉक धारकलां अधीन आते गांव बुंगाल में पॉवरकॉम विभाग की ओर से 63 केवी की जगह 100 केवी का ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है। जिससे पूरे वार्ड 4 के घरों को कम वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी। बता दें, कि गांव के सरपंच मीना देवी व पंच द्वारा गांव के वार्ड 4 में कम वॉल्टेज की समस्या को लेकर पॉवरकॉम विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया था, उनके द्वारा किए गए अथक प्रयासों के कारण यह नया ट्रांसफार्मर लग रहा है, अब वार्ड 4 के लोगों को कम वोल्टेज की समस्या से नहीं झूझना पड़ेगा पूर्व सरपंच लाल सिंह सुम्बरिया, पंच पवन सिंह सुम्बरिया हैप्पी, उत्तम सिंह, पवन पुरी, जगदीश पुरी, रणधीर सुम्बरिया, विक्की पुरी, सुनील सुम्बरिया ने बताया कि गांव बुंगल के वार्ड 4 में बिजली की समस्या का समाधान होने से सभी निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। सरपंच मीना देवी के प्रयासों से वार्ड 4 में अब 100 केवी की बिजली आपूर्ति होने से कम वोल्टेज की समस्या दूर हो जाएगी। इसके लिए उन्हें वार्ड वासियों को बधाई और विभाग का धन्यवाद किया।

पदक विजेताओं का अभिनंदन

दिव्य दिल्ली : राम प्रकाश (अम्ब)

महाराण प्रताप राजकीय महाविद्यालय अम्ब,प्रशासन ने अस्मिता खेलो इंडिया महिला भारोत्तोलन लीग-2025 के पदक विजेताओं का कॉलेज पहुँचने पर गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ और हिमाचल भारोत्तोलन संघ के तत्वावधान में गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, अंब में असाधारण कौशल का प्रदर्शन करने वाली विजेताओं को प्राचार्य प्रो. दर्शन कुमार और समस्त महाविद्यालय स्टाफ ने सम्मानित किया।सुहानी (बीए द्वितीय वर्ष) और सोनाक्षी राणा (बीए प्रथम वर्ष) ने रजत पदक जीते जबकि रूबी चौधरी (बीए तृतीय वर्ष) ने कांस्य पदक जीता।डॉ. पवन पटियाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विजेता अपनी रैंकिंग के आधार पर उत्तर प्रदेश के मोदीनगर में आगामी उत्तर क्षेत्र अस्मिता महिला भारोत्तोलन लीग में भाग लेंगी।इस अवसर पर डॉ. नितिन शर्मा, प्रो. अजय कुमार, डॉ. रजनीश कुमार, डॉ. अरुण कुमार और डॉ. अजय कुमार सहित स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विक्रम अग्रवाल ने न्यायालय परिसर में ई-सेवा केंद्र का उद्घाटन किया

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम अग्रवाल एवं प्रशासनिक न्यायाधीश पठानकोट संभाग पठानकोट न्यायालय परिसर पहुँचे जहाँ उन्होंने इस ई-सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इसके बाद न्यायमूर्ति विक्रम अग्रवाल ने विभिन्न अदालतों का दौरा किया और अदालतों का निरीक्षण किया। न्यायमूर्ति विक्रम अग्रवाल ने बार एसोसिएशन पठानकोट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहाँ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मेरिनल मेहता ने न्यायमूर्ति विक्रम अग्रवाल को वकीलों के चैंबरों की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कई वकीलों के पास चैंबर नहीं हैं, जिसके कारण वे अपनी निजी दुकानों से काम चला रहे हैं। कई वकील हॉल में कुर्सियाँ लगाकर अपने मुवक्किलों को संभाल रहे हैं, जिससे वकीलों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर न्यायमूर्ति विक्रम अग्रवाल ने बार एसोसिएशन को आश्वासन दिया कि वे जल्द ही वकीलों के चैंबरों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

मंदिर न्यास चैयरमैन एवं उपायुक्त हमीरपुर अमरजीत सिंह ने कहा मलवा हटाने तक बंद रहेगा मन्दिर रास्ता

दिव्य दिल्ली : अमरजीत सिंह (हमीरपुर)

उत्तरी भारत के प्रसिद्ध सिद्धपीठ बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में शुक्रवार को अचानक भारी भूस्खलन हुआ, जिससे श्रद्धालुओं में हलचल मच गई। पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर और मलबा सीधे गेट नंबर 5 के पास बने मंदिर मार्ग पर आ गिरा। गनीमत यह रही कि हादसे के समय वहां कोई श्रद्धालु मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भूस्खलन के दौरान पहाड़ी से लगातार मलबा और चट्टानें गिरती रहीं, जिससे मार्ग पर बना लोहे का शैड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर न्यास अधिकारियों ने तुरंत गेट नंबर 5 से मंदिर जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया और श्रद्धालुओं को सुरक्षित मार्ग से जाने की व्यवस्था की। मंदिर न्यास के चेयरमैन एवं उपायुक्त हमीरपुर अमरजीत सिंह ने बताया कि भूस्खलन से किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई है, लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मलबा पूरी तरह हटाए जाने तक इस मार्ग से आवागमन बंद रहेगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397